कार्यालय, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
समग्र शिक्षा, ब्लॉक–भीण्डर (उदयपुर)

संकल्प – 2021
(एक अभिनव पहल)

प्रश्न बैंक

हिन्दी अनिवार्य

कक्षा – 12

बोर्ड परीक्षा परिणाम में गुणात्मक एवं संख्यात्मक उन्नयन हेतु अभिनव कार्ययोजना के तहत् निर्मित

संरक्षक

श्री शिवजी गौड़
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा, उदयपुर

श्री मयंक मनीष, IAS
उपखण्ड अधिकारी
वल्लभनगर

मार्गदर्शन

श्रीमहेन्द्रकुमारजैन
मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक-भीण्डर, उदयपुर

श्री भेरुलाल सालवी
अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

श्रीरमेश खटीक
अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

श्री गिरीश कुमार चौबीसा
संदर्भ व्यक्ति

श्री महेन्द्र कोठारी
संदर्भ व्यक्ति

संयोजक

श्री नरेश कुमार काहाल्या
प्रधानाचार्य
राउमावि भटेवर

सह–संयोजक

श्रीमती मोनिका जोशी
प्रधानाचार्य रा उ मा वि गुपड़ी

श्रीमती शीला काहाल्या
प्रधानाचार्य रा उ मा वि मंदेसर

श्रीमती निशा व्यास
प्रधानाचार्य राउमावि माल की टूस

श्री दिनेश बडाला
प्रधानाचार्य राउमावि आसावरा

श्री ललित कुमार आमेटा
कार्य.प्रधानाचार्य राउमावि टूसडांगीयान

संकलनकर्ता

श्री बृजपाल सिंह मेघवाल (प्राध्यापक)
राउमावि माल की टूस

श्री चंद्र प्रकाश औदिच्य (प्राध्यापक)
राउमावि टूस डांगीयान

रोमा कुमारी (प्राध्यापक) राउमावि आसावरा
श्री चन्द्र भानु व्यास (प्राध्यापक)
रा उ मा वि गुपड़ी
श्री भगवती लाल मेनारिया(वरीष्ठ अध्यापक)
रा उ मा वि मंदेसर
श्रीमती प्रभा शर्मा (वरि.अ.) रा उ मा वि भटेवर
श्रीमती लीला मेनारिया(अध्यापक)
रा उ मा वि भटेवर

सहयोगकर्ता : –
श्री नरेश कुमार गौतम क.लि. रा उ मा वि भटेवर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ,राजस्थान, अजमेर

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

विषय - हिन्दी अनिवार्य
विषय कोड–01
कक्षा – XII

पुस्तक का नाम : व्याकरण

खण्ड – 2
व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना

(क) पद परिचय

(ख) शब्द शक्ति

(ग) अलंकार (रूपक, उपेक्षा, उदाहरण तथा विरोधाभास)

(घ) पत्र व प्रारूप लेखन (ज्ञापन, अधिसूचना)

Scanned with CamScanner

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ,राजस्थान, अजमेर

परीक्षा 2021 के लिए संशोधित पाठ्यक्रम

विषय - हिन्दी अनिवार्य

विषय कोड–01

कक्षा – XII

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	08
व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना	16
पाठ्य पुस्तक–सृजन (प्रथम पुस्तक)	32
पाठ्य पुस्तक–पीयूष प्रवाह (द्वितीय पुस्तक)	12
संवाद सेतु	12

खण्ड–1

अपठित बोध – **8 अंक**

(क) अपठित गद्यांश – 4 अंक

(ख) अपठित पद्यांश – 4 अंक

खण्ड–2

व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना – **16 अंक**

(क) भाषा, व्याकरण एवं लिपि का परिचय – 2 अंक

(ख) पद परिचय – 2 अंक

(ग) शब्द शक्ति – 2 अंक

(घ) अंलकार – (अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा) 2 अंक

(ड.) पारिभाषिक शब्दावली – 2 अंक

(च) पत्र व प्रारूप लेखन (अर्द्धशासकीय पत्र, निविदा, विज्ञप्ति,) 2 अंक

(छ) निबंध लेखन (विकल्प सहित) – 4 अंक

खण्ड–3

Scanned with CamScanner

पाठ्य पुस्तक–सृजन (प्रथम पुस्तक) –	**32 अंक**
(क) 1 व्याख्या गद्य से (विकल्प सहित) –	1X4=4 अंक
(ख) 1 व्याख्या पद्य से (विकल्प सहित) –	1X4=4 अंक
(ग) 2 निबंधात्मक प्रश्न (1 प्रश्न गद्य से एवं 1 प्रश्न पद्य भाग से विकल्प सहित)	2X4=8 अंक
(घ) 4 लघूत्तरात्मक प्रश्न (2 गद्य एवं 2 पद्य भाग से) –	4X2=8 अंक
(ड.) किसी एक कवि या लेखक का परिचय –	1X4=4 अंक
(च) 2 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (1 गद्य एवं 1 पद्य भाग से) –	2X2=4 अंक

खण्ड–4

पाठ्य पुस्तक – पीयूष प्रवाह (द्वितीय पुस्तक) –	**12 अंक**
(क) 1 निबंधात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) –	1X6=06 अंक
(ख) 4 लघूत्तरात्मक प्रश्नों में से कोई तीन प्रश्न –	3X2=6 अंक

खण्ड–5

पाठ्य पुस्तक –संवाद सेतु	**12 अंक**
(क) समाचार लेखन (1 प्रश्न) –	1X2=2 अंक
(ख) विविध प्रकार के लेखन (फीचर, संपादकीय, सम्पादक के नाम पत्र, प्रतिक्रिया लेखन) (1 प्रश्न) –	1X2=2 अंक
(ग) साक्षात्कार लेने की कला (1 प्रश्न) –	1X2=2 अंक
(घ) विविध क्षेत्रों में पत्रकारिता (1 प्रश्न) –	1X3=3 अंक
(ड.) वार्ता, रिर्पोताज, यात्रा वृतांत, डायरी लेखन की कला (1 प्रश्न) –	1X3=3 अंक

Scanned with CamScanner

CBEO BHINDER

अनुक्रमाणिका

क्र.स	विषयवस्तु	पेज नम्बर
1	पाठ्यक्रम	1 से 3
2	अति लघुतरात्मक प्रश्न	4 से 19
3	लघुतरात्मक प्रश्न	20 से 35
4	गधांश	36 से 43
5	पधांश	44 से 46
6	विज्ञप्ति	47
7	निविदा	48 से 49
8	निबन्ध	50 से 52
9	मॉड़ल पेपर	52 से 60

CBEO BHINDER

अति लघूतरात्मक प्रश्न

प्रश्न–1 जयशंकर प्रसाद की ममता कहानी मे लेखक ने संसार का सबसे तुच्छ व निराश्रय प्राणी किसे माना है ?

उतर– लेखक ने हिन्दू–विधवा को संसार का सबसे तुच्छ व निराश्रय प्राणी माना है।

प्रश्न–2 " तो क्या आपने म्लेच्छ का उत्कोच स्वीकार कर लिया " ? प्रस्तुत वाक्य किसने किससे कहा ?

उतर– प्रस्तुत वाक्य रोहितास दुर्गपति के मन्त्री चूडामणि की पुत्री ममता ने अपने पिता चूडामणि से कहें।

प्रश्न–3 " फेर दीजिए पिताजी, मैं काँप रही हूँ।इसकी चमक आँखो को अन्धा बना रही है।" उपर्युक्त कथन के अनुसार किसकी चमक ममता को अन्धा बना रही है ?

उतर – पिता चूडामणि द्वारा म्लेच्छ से उत्कोच के रूप में लिए गए स्वर्ण की चमक ममता को अन्धा बना रही है।

प्रश्न–4 "यहाँ कौन दुर्ग है! यही झोपडी न जो चाहे ले –ले। " प्रस्तुत वाक्य किसने किससे कहा ?

उतर– प्रस्तुत वाक्य ममता ने स्वयं अपने आप से कहे।

प्रश्न– 5 चौसा का युद्ध किन– किन के मध्य हुआ ?

उतर– चौसा का युद्ध शेरशाह (अफगान) व हुमायूँ (मुगल) के मध्य हुआ।

प्रश्न–6 रोहतास दुर्ग के अंदर डोलियों में कौन बैठे थे ?

उतर– दुर्ग के अन्दर डोलियों में शेरशाह के सैनिक स्त्री- वैश म बैठे थे।

प्रश्न–7 चूडामणि द्वारा स्वर्णथाल उपहार में प्रस्तुत करने पर ममता ने क्या कहा ?

उतर– ममता ने अपने पिता चूडामणि से कहा तो क्या आपने म्लेच्छ का उत्कोच स्वीकार

CBEO BHINDER

कर लिया?

प्रश्न–8 रोहितास दुर्ग के पास कौन सी नदी बहती है ?

उतर– रोहतास दुर्ग के पास शोण नदी बहती है।

प्रश्न–9 साक्षात्कार क्या है ?

उतर– किसी व्यक्ति विशेष से साक्षात् मिलकर उसके भावों व विचारों को जानना ही साक्षात्कार है।

प्रश्न–10 साक्षात्कार का प्रमुख आधार संवाद है। कथन को स्पष्ट कीजिए।

उतर साक्षात्कार वस्तुतः किसी व्यक्ति के सम्मुख उपस्थित होकर किसी विषय पर की जाने वाली बातचीत को कहा जाता है।इस दौरान साक्षात्कार कर्ता दाता से संवाद स्थापित कर विषय विशेष पर उसके विचारों से अवगत होकर उन्हीं विचारों को जनसामान्य के सामने रखता है।

प्रश्न–11 एक अच्छे साक्षात्कारकर्ता में कौनसे गुण होने चाहिये ?

उतर– एक अच्छे साक्षात्कारकर्ता में नम्रता ,लेखन –शक्ति, जिज्ञासा, वाक् योग्यता, तटस्थता सुनने का धैर्य एवं व्यहारकुशलता होनी चाहिये।

प्रश्न–12 साक्षात्कार के कितने प्रकार हैं ? लिखिए।

उतर– मौलिक रूप से साक्षात्कार दो तरह के होते हैं – पहला वह जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं या नौकरियों के लिए होते है और दूसरा वे जो रेडियों टीवी या समाचार पत्रों के लिए संपादक लोग लेते हैं।

प्रश्न–13 मौजूदा दौर में साक्षात्कार का क्या महत्व है ?

उतर– संसाधनो से समृद्व मौजूदा दौर में साक्षात्कार का महत्व बढता जा रहा है। आज प्रिंट मीडिया हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया समाचारों का संकलन, तथ्यों की पुष्टि,

CBEO BHINDER

समाचारों को प्रामाणिक बनाने के लिए साक्षात्कार एक सशक्त माध्यम है।

प्रश्न–14 साक्षात्कार लेने की तैयारी किस तरह करनी चाहिए?

उतर– साक्षात्कार लेने के लिए संबंधित व्यक्ति से दिन समय स्थान व विषय निश्चित किया जाता है तथा सभी सूचनाओं का संकलन करके प्रश्नावली बनाई जाती है साथ ही कैमरा टेप रिकॉर्डर आदि की व्यवस्था की जाती है।

प्रश्न–15 मुद्रित माध्यम के साक्षात्कार की भाषा शैली कैसी होती है ?

उतर– मुद्रित माध्यम के साक्षात्कार की भाषा गतिशील ,सरल, साहित्यिक एवं वार्तालाप की शब्दावली होने के साथ ही वर्णनात्मक शैली प्रयोग में लाई जाती है।

प्रश्न–16 एशियाई अधिकारियों का सबसे बडा थाना कहाँ था?

उतर– जोहानिस्बर्ग मे।

प्रश्न–17 शांतिनिकेतन में गाँधीजी पहली बार किनसे मिले?

उतर– काका – कालेलकर

प्रश्न–18 'आहार–नीति' पुस्तक में किनके विचारों का वर्णन किया गया है?

उतर– 'आहार–नीति' नामक पुस्तक में अलग अलग युगाों के ज्ञानियों, अवतारों और पेगम्बरों के आहार और उनके आहार विषयक विचारों का वर्णन किया गया है।

प्रश्न–19 लेखक का मित्र ठेले पर बर्फ देखकर खोया – खोया क्यों हो गया?

उतर– लेखक का मित्र अल्मोडा का निवासी था, उसको ठेले पर बर्फ देखकर हिमालय के शिखरों की बर्फ याद आ रही थी।

CBEO BHINDER

प्रश्न–20 कौसानी कहाँ अवस्थित है?

उ. कौसानी सोमेश्वर घाटी के उत्तर दिशा स्थित पर्वत माला के शिखर पर बसा है।

प्रश्न–21 डॉ. भारती और उनके साथी कौसानी क्यों गए थे।

उ. डॉ. भारती और उनके साथी सिर्फ बर्फ को पास से देखने के लिए ही कौसानी गए थे?

प्रश्न–22 भूषण के संकलित छंदों में कौनसा रस और कौनसा गुण है?

उ. कवि भूषण के संकलित छन्दों में वीर रस और ओज गुण है।

प्रश्न–23 कवि भूषण की दो रचनाओं के नाम बताइए।

उ. 'शिवराज भूषण' और 'शिवा बावनी'।

प्रश्न–24 'स्याह मुख नौरंग, सिपाह मुख पियरे।' किसके मुख और कब काले–पीले पड़ गये थे?

उ. शिवाजी के रौद्र रूप को देखने पर औरंगजेब का मुख काला और उसके सिपाहियो के मुख भय से पीले पड़ गये थे।

प्रश्न–25 सूरदास की भक्ति मानी जाती हैं।

उत्तर सखा भाव की।

प्रश्न–26 सूरदास ने अँखियों को किसकी भूखी बताया है?

उत्तर हरि दर्शन की ।

प्रश्न–27 उद्धव से गोपियों ने ऐसे कौन से प्रश्न किये कि उद्धव ठगा–सा रह गया ?

उत्तर गोपियो ने पुछा वह निर्गुण बृह्म किस देश का रहने वाला है? उसके माता–पिता का नाम क्या है? पत्नी कौन है? दासी कोन है, कैसा रूप–रंग है? किसकी इच्छा करता है? इन प्रश्नों को सुनकर उद्धव ठगा सा रह गया।

CBEO BHINDER

प्रश्न–28 हारिल पक्षी की क्या विशेषता है? बताइये।

उत्तर हारिल पक्षी सदैव अपने पंजों में एक हरी लकडी दबाए रहता है, उसे छोड़ता नहीं वह हमेशा हरी लकडी पर ही बैठता हैं।

प्रश्न–29 गोपियों को उद्धव का योग सन्देश किसके समान लग रहा है?

उत्तर कडवी ककडी के समान।

प्रश्न–30 गोपियों ने स्वयं को क्या बताया?

उत्तर छोटी जाति की।

प्रश्न–31 गोपियाँ` किसकी माता को धिक्कार योग्य कहती हैं?

उत्तर जो कृष्ण से विमुख हो।

प्रश्न–32 गोपियों ने श्रीकृष्ण को किस प्रकार अपना रखा है ?

उत्तर गोपियों ने मन, वचन और कर्म तीनों के द्वारा कृष्ण को अपना रखा हैं।

प्रश्न–33 गोपियों ने दोनों प्रकार के फल को कैसे पाया है ?

उत्तर गोपियों का मानना है कि यदि श्री कृष्ण का पुनर्मिलन हो जाए तो उनकी प्रेम तपस्या सफल होगी ही, यदि वह न मिले तो संसार में उनका यशगान होगा।

प्रश्न–34 गोपियों ने रूखी बतियाँ किसे बताया है ?

उत्तर गोपियों ने उद्धव के ज्ञान और योग के नीरस उपदेशों को रूखी बातें बताया है।

प्रश्न–35 लेखक ने बाजार की असली कृतार्थता किसमें बताई है ?

उत्तर आवश्यकता के समय काम आना।

प्रश्न–36 लेखक के अनुसार बाजार का जादू किस तरह से काम करता है ?

उत्तर बाजार का जादू आँखो के रास्ते काम करता है। ग्राहक आँखों से सुन्दर चीजों को देखकर आकर्षित होकर उनको खरीदता हैं।

CBEO BHINDER

प्रश्न–37 बाजार का आमन्त्रण मूक क्यों होता हैं ?

उत्तर बाजार किसी को चीजें खरीदने के लिए बुलाता नहीं है वहीं सजी हुई चीजें देखकर मनुष्य उनकी और आकर्षित होता है। इसी को बाजार का मूक आमंत्रण कहते हैं।

प्रश्न–38 बाजार की सार्थकता का क्या तात्पर्य है?

उत्तर लोगों की जरूरत का सामान उनको उपलब्ध कराना ही बाजार की सार्थकता है।

प्रश्न–39 कवि को सुबह का आकाश मटमैला क्यों दिखाई देता है ?(20 शब्दों में)

उतर– कवि ने सुबह के आकाश के लिए राख से लिपे हुए चौके का उपमान दिया है। जिस प्रकार गीला चौका मटमैला और साफ होता है।

प्रश्न–40 सिल और स्लेट का उदाहरण देकर कवि ने आकाश के रंग के बारे में क्या कहा है?

उतर– कवि ने सिल और स्लेट के रंग की समानता आकाश के रंग से की है। भोर के समय आकाश का रंग गहरा नीला–काला होता है और उसमे थोडी–थोडी सूर्योदय की लालिमा मिली हुई होती है।

प्रश्न–41 उषा कविता में किसका वर्णन किया गया है ?

उतर– उषाा कविता में कवि ने सूर्योदय का वर्णन किया है।

प्रश्न–42 उषा कविता में गौर झिलमिल देह' किसका प्रतीक है ?

उतर– उषा कविता में गौर झिलमिल देह सूर्य की किरणों का प्रतीक है।

प्रश्न–43 उषा कविता की रचना में किस शैली का प्रयोग हुआ है ?

उतर– उषा कविता की रचना में प्रतीकात्मक शैली का प्रयोग हुआ है।

प्रश्न–44 बिहारी सतसई में किस रस की प्रधानता है?

उ. बिहारी सतसई में श्रृंगार रस की प्रधानता हैं।

CBEO BINDER

प्रश्न–45 बिहारी की काव्य शैली है?

उ. बिहारी की मुक्तक काव्य शैली है।

प्रश्न–46 किस लालच में गोपियाँ श्री कृष्ण की मुरली छिपा लेती है?

उ. श्री कृष्ण से बात चीत करने का आनन्द पाने के लालच में गोपियां उनकी मुरली छिपा लेती हैं।

प्रश्न–47 श्री कृष्ण के आगमन पर वन में मोर क्या प्रतिक्रिया करते हैं?

उ. श्री कृष्ण के आगमन पर वन में मोर उनके श्याम रूप को बादल समझकर खुशी से नाचने लगते हैं?

प्रश्न–48 कवि ने नायिका की देह को किसके समान बताया है?

उ. कवि ने नायिका की देह को दीपशिखा के समान बताया है

प्रश्न–49 भगवान के प्रेमी हृदय की कवि ने क्या विशेषता बताई है?

उ. भगवान का प्रेमी हृदय जितना जितना श्याम रंग (कृष्ण भक्ति) में डूबता है, उतना ही उजला (पवित्र) होता जाता है।

प्रश्न–50 'स्वच्छता बुरी नहीं, पर तुम तो हर चीज को सनक की हद तक पहुँचा देती हो, और सनक से मुझे चिढ़ है। यह किसने, किसको कहा?

उ. यह बसन्त ने मधु से कहा।

प्रश्न–51 सुरो और चिन्ती कौन थी?

उ. मधु की सहेलियाँ

प्रश्न–52 तौलिये एकांकी में किसका वर्णन है?

उ. तौलिये एकांकी में सफाई की सनक का वर्णन है।

CBEO BHINDER

प्रश्न–53 ओह! यह कमबख्त तौलिये! मुझे ध्यान नही रहता'' किसकों क्या ध्यान नहीं रहता?

उ. बसन्त को सही तौलिया प्रयोग करने का ध्यान **नहीं** रहता।

प्रश्न–54 बसन्त ने मधु को जीवन का रहस्य क्या बताया?

उ. बसन्त ने बताया कि सफाई, नजाकते और बाहरी तडक भडक की अपेक्षा सेहत पर ध्यान रखना ही जीवन का रहस्य है।

प्रश्न–55 'सम्प सभा' की स्थापना किसने की?

उ. 'सम्पसभा' की स्थापना पूज्य गोविन्द गुरू ने की।

प्रश्न–56 बाबा रामदेव की समाधि पर मेला कब लगता है?

उ. बाबा रामदेव की समाधि पर मेला भादवा सुदी दशमी को लगता है।

प्रश्न–57 देव नारायण को किसका अवतार माना जाता है?

उ. देवनारायण को भगवान श्री विष्णु का अवतार माना जाता है।

प्रश्न–58 'सर सांटे रूँख रहे तो भी सस्ता जाण' – पंक्ति का अर्थ बताइए –

उ. सिर कटने पर भी वृक्ष (रूंख) की रक्षा होती है तो इसे सस्ता ही समझना चाहिए।

प्रश्न–59 संत जम्भेश्वर को दिव्य ज्ञान कहाँ प्राप्त हुआ?

उ. संत जम्भेश्वर को दिव्य ज्ञान 'समराथल धोरा' स्थान पर प्राप्त हुआ।

प्रश्न–60 रहीम ने स्वाति की बूंद के द्वारा क्या सीख दी?

उ. व्यक्ति जैसे लोगों की संगति में रहता है वैसा ही बन जाता है।

CBEO BHINDER

प्रश्न–61. रहीम ने दीनबंधु के समान कैसे व्यक्ति को माना है?

उ. जो व्यक्ति दीन जनों (गरीब लोग) पर ध्यान देता है तथा उनकी मदद करता हैं।

प्रश्न–62. संकलित दोहों के आधार पर बताइए कि रहीम के इन दोहों का क्या उद्देश्य है?

उ. रहीम हमें उत्तम जीवन मूल्यों का व लोक व्यवहार में उपयोगी नीतियों का ज्ञान कराना चाहते हैं।

प्रश्न–63. चंदन के वृक्ष और सर्पों का कवि रहीम ने कैसी प्रकृति का वर्णन किया है संकलित दोहों के आधार पर लिखिए?

उ. रहीम ने इस दोहे में उत्तम स्वभाव वाले पुरूषों की विशेषता बताई है। जैसे सर्पों के लिपटे रहने से चंदन पर उनके विष का कोई प्रभाव नहीं होता है उसी प्रकार उत्तम स्वभाव वाले लोगों पर कुसंग का कोई प्रभाव नहीं पडता है। चंदन के वृक्ष को उत्तम स्वभाव वाला पुरूष व सर्पों को नीच स्वभाव वाला माना है।

प्रश्न–64 क्वार मास के बादलों के बारे में रहीम ने क्या कहा है?

उ. रहीम इन बादलों की तुलना उस व्यक्ति से करते हैं जो कभी धन से सम्पन्न था अब धनहीन हो गया है। अपनी वर्तमान दशा पर पर्दा डालने के लिए अपने पिछले सम्पन्न जीवन की ही बाते करते है क्वार के बादल भी धनहीन है और वे गरज गरज कर अपने पिछले रूप को याद कराते हैं।

प्रश्न–65 फीचर लेखन के लिए किन – किन बातों का ध्यान रखा जाता है?

उ. 1. तथ्यों का संग्रह किया जाए। 2. फीचर लेखन का उद्देश्य निर्धारित हो।

3. फीचर का प्रस्तुतीकरण सरल भाषा में हो।

CBEO BHINDER

4. शीर्षक तथा आमुख उपयुक्त ढंग से लिखा गया हो।

5. फीचर की साज- सज्जा के लिए रेखाचित्र एवं ग्राफिक्स का उचित चयन हो।

प्रश्न–66. फीचर किसे कहते है? कोई तीन फीचर के नाम बताइए।

उ. **रोचक** विषय का मनोरम और **विशद** प्रस्तुतीकरण ही फीचर कहलाता है।

1. समाचार फीचर 2. विज्ञान फीचर 3. खेलकूद फीचर

प्रश्न–67 समाचार पत्र की आत्मा किसे कहा गया है?

उ. सम्पादकीय को समाचार पत्र की आत्मा कहते हैं।

प्रश्न–68. समाचार पत्र में छपने वाली खबरों पर अन्तिम निर्णय लेने वाला व्यक्ति कौन होता है?

उ. सम्पादक

प्रश्न–69. इतिहास के कथात्मक एवं रूचिपरक तरीके प्रस्तुत करना क्या कहलाता है?

उ. ऐतिहासिक फीचर

प्रश्न–70 भय भीरूता में कब बदल जाता है?

उ. जब व्यक्ति का स्वभाव बन जाता है।

प्रश्न–71. आशंका किसे/किसको कहते हैं?

उ. दुःख या आपत्ति का पूर्ण निश्चय न रहने पर उसकी सम्भावना मात्र के अनुमान से जब व्यक्ति के मन में आवेग–शून्य भय होता है, तब उस स्थिति को आशंका कहते हैं।

CBEO BHINDER

प्रश्न–72. क्रोध और भय में क्या अंतर है?

उ. दुःख के कारण का निवारण करने वाला भाव क्रोध होता है। जबकि दुःख की पहुँच से बाहर रहने वाला स्तम्भ कारक भाव भय होता है।

प्रश्न–73. संसार में प्रत्येक प्राणी को क्या अधिकार है ?

उ. संसार में प्रत्येक प्राणी को अधिकार है कि वह सुखी रहें। उसको यह भय न हो कि कोई उसके सुख में बाधा डालेगा। इस प्रकार निर्भय रह कर ही मनुष्य सुखी रह सकता हैं। यदि उसको भय रहेगा कि कोई उसको दुःखी कर सकता हैं तो वह सुखी रहने की बात सोच भी नहीं सकता।

प्रश्न–74. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी के मनोविकार संबंधी निबंधों के संग्रह का नाम है?

उ. चिन्तामणि

प्रश्न–75 'उसने कहा था' कहानी का नायक है?

उ. लहना सिंह

प्रश्न–76 सूबेदारनी के चरित्र की दो विशेषताएँ लिखिए।

उ. 1 सरल और सहज स्वभाव

2. मातृत्व का भाव और सच्ची पत्नी

प्रश्न–77 कल देखते नहीं, यह रेशम से कढा हुआ सालू।

लडकी के इस कथन का बालक लहना सिंह के मन तथा व्यवहार पर क्या असर पडा?

CBEO BHINDER

उ. लडकी से सम्भावना के विरूद्ध ऐसा उत्तर सुनकर लहना सिंह के मन को धक्का लगा। उसे लगा जैसे किसी ने उससे प्रिय वस्तु छीन ली है। लौटते हुए उसने एक लडके को धकेला, छावडी वाले की कमाई खत्म कर दी, कुत्ते को पत्थर मारा और किसी से टकरा कर अंधे की उपाधि पाई व व्यवहार भी चिढ चिढा हो गया था।

प्रश्न–78 ''यह मेरी भिक्षा है। तुम्हारे आगे आँचल पसारती हूं।'' प्रस्तुत वाक्य किसने कहा था?

उ. सूबेदारनी ने कहा था।

प्रश्न–79. 'उसने कहा था'' कहानी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

उ. यह कहानी निश्छल और पवित्र प्रेम तथा त्याग और बलिदान को उजागर करती है कर्तव्य भावना, चरित्र की दृढता, भारतीय नारीत्व तथा तत्कालीन स्थितियों को उजागर करना भी कहानी का उद्देश्य है, 'वासना का समावेश न होकर प्रेम का सात्विक प्रभाव है।'

व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना

प्रश्न–80.. भाषा एवं बोली में क्या अंतर है?

उ. भाषा – व्यापक सामाजिक क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाली वाचिक अभिव्यक्ति भाषा कहलाती है।

बोली – सीमित क्षेत्रों में लोगों द्वारा प्रयुक्त मौखिक अभिव्यक्ति बोली कहलाती है।

प्रश्न–81. 'लिपि' किसे कहते हैं?

उ. भाषा को लिखने के लिए जिन ध्वनि चिन्हों का प्रयोग किया जाता है उसे 'लिपि' कहते हैं।

CBEO BHINDER

6प्रश्न–82. 'भाषा' किसे कहते हैं?

उ. विचार विनिमय के मौखिक एवं लिखित माध्यम को भाषा कहते हैं।

प्रश्न–83. व्याकरण किसे कहते हैं?

उ. जिसके द्वारा भाषा को शुद्ध बोलने एवं लिखने का ज्ञान होता है उसे व्याकरण कहते हैं।

प्रश्न–84. ध्वनि किसे कहते हैं?

उ. मुख के वाग्यन्त्र से निकलने वाली स्वतंत्र आवाज को ध्वनि कहते हैं।

प्रश्न–85. 'अनुप्रास' एवं 'यमक' अलंकारों में सोदाहरण अन्तर बताईये।

उ. अनुप्रास :– अनुप्रास अलंकार में केवल वर्णों की आवृत्ति होती है अर्थात् एक दो वर्णों का दो या अधिक बार प्रयोग होता है।

जैसे :– कानन कठिन भयंकर भारी

इसमें 'क', 'न', व 'भ' वर्णों की आवृत्ति हुई है।

यमक :–इस अलंकार में शब्दों या शब्दांशों की आवृति होती है किन्तु अर्थ हर बार भिन्न होता है।

इसमें 'कनक' के दो अर्थ सोना व धतुरा है।

प्रश्न.86. श्लेष अलंकार को उदाहरण सहित समझाइये?

CBEO BHINDER

उ. जब वाक्य में एक शब्द एक ही बार आए और उस शब्द के दो या अधिक अर्थ निकले, तब श्लेष अलंकार होता है।

जैसे 'पानी गए न उबरे, मोती, मानस, चून।''

यहां 'पानी' शब्द में श्लेष अलंकार है। 'पानी' का अर्थ मोती के संदर्भ में चमक, मनुष्य के लिए इज्जत व चून के लिए जल है।

प्रश्न–87 निम्न लिखित अंग्रेजी शब्दों का अर्थ हिन्दी में लिखिए?

1.	Abalantion	2-	Act	3-	Ballot	4-	Census
	उन्मूलन		अधिनियम		मतपत्र		जनगणना
5.	Draft	6-	Notice				
	प्रारूप		सूचना				

प्रश्न–88. अर्द्धशासकीय पत्र व्यवहार किनके मध्य होता है?

उ. अर्द्धशासकीय पत्र का उपयोग एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय अधिकारी के मध्य व्यक्तिगत नाम से भेजने में किया जाता है।

प्रश्न–89. निविदा किसे कहते हैं?

उ. सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थानों द्वारा अपने किसी निर्माण कार्य को सम्पन्न कराने हेतु सामान की आपूर्ति करने के लिए उक्त कार्य कर सकने वाले व्यक्तियों की सूचना देने हेतु समाचार पत्रों या सूचना पट्टों आदि में प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते है, उन्हें निविदा कहते है।

प्रश्न–90. विज्ञप्ति किसे कहते हैं?

उ. सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थान अपने किसी निर्णय, निश्चय, घोषणा निर्देश या योजना आदि से संबंधित सूचनाओं का प्रकाशन करते हैं, उसे विज्ञप्ति कहते हैं।

प्रश्न–91. भाषा के कौनसे दो रूप होते है?

CEO BHINDER

उ भाषा के दो रूप होते है 1. मौखिक भाषा 2 लिखित भाषा

प्रश्न–92 हिन्दी भाषा की कौनसी लिपि है?

उ. देवनागरी लिपि।

प्रश्न–93. भाषा की कितनी ईकाईयां होती है? नाम लिखिए।

उ. भाषा की पांच ईकाईयां होती है–

1. ध्वनि 2. वर्ण 3. शब्द 4. पद 5. वाक्य

प्रश्न–94. हिन्दी की कौन कौनसी बोलियाँ हैं? नाम बताईये।

उ. हिन्दी की बोलियां निम्नलिखित हैं –

1. पूर्वी हिन्दी 2. पश्चिमी हिन्दी

प्रश्न–95. 'उपमा' अलंकार को उदाहरण सहित समझाईये।

उ जहां दो भिन्न पदार्थों की किसी समान गुणों (धर्म) के कारण तुलना की जाती है, वहां उपमा अलंकार होता है।

जैसे – चन्द्रमा – सा कान्तिमय, मुख है तुम्हारा।

प्रश्न–96. उपमा के कितने अंग होते हैं? नाम बताईये।

उ. उपमा के चार अंग होते हैं–

1. उपमेय 2. उपमान 3. वाचक शब्द 4. समान गुण (धर्म)

प्रश्न–97. 'नगन जड़ाती थी वे नगन जडाती है' पद में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए?

उ. 'यमक' अलंकार।

प्रश्न–98 श्लेष अंकार के कितने भेद होते हैं। नाम लिखिए।

CBEO BHINDER

उ. श्लेष अलंकार के दो भेद होते है 1. अभंग श्लेष 2. सभंग श्लेष।

प्रश्न–99. निम्न अंग्रेजी शब्दों का अर्थ हिन्दी में लिखिए?

उ. 1. Eligible (पात्र) 2 .Gazette (राजपत्र)

3. Project (परियोजना) 4. Thesis (शोध प्रबंध)

प्रश्न–100. निविदा का प्रारूप लिखते समय किन बातों का उल्लेख करना आवश्यक होता है?

उ. निविदा लिखते समय 1. निविदा सूचना संख्या 2. निविदा प्रस्तुत करने की तारीख व क्रम 3. निविदा खोलने की प्रक्रिया का निर्देश 4. कार्य पूरा करने की समय सीमा 5. अनुमानित लागत व शर्तों का उल्लेख किया जाता है।

प्रश्न–101. व्याकरण के प्रमुख अंग कौन कौन से हैं?

1. वर्ण विचार 2. शब्द विचार 3. पद विचार 4. वाक्य विचार।

CBEO BHINDER

लघूतरात्मक प्रश्न

1. 'जम्मा–जागरण' आन्दोलन के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए–

उ. 'जम्मा–जागरण' आन्दोलन बाबा रामदेव ने दलितों के उद्धार के लिए चलाया। उन्होंने दलितों से सम्पर्क बढाकर उन्हें जागृत कर अच्छाइयो की ओर प्रवृत्त किया। जम्मा जागरण का पुनीत कार्य मेघवाल जाति के द्वारा ही किया जाता था।

2. जलियाँ वाला बाग हत्याकांड की तुलना राजस्थान की किस घटना से की जाती है?

उ. जलियाँ वाला बाग हत्याकाण्ड की तुलना पूज्य गोविन्द गुरू द्वारा वनाचल में वनवासी बन्धुओं के लिए चलाये गये स्वाधीनता आन्दोलन की घटना से की जाती है। जिसका परिणाम हुआ सन् 1913 का मानगढ हत्याकाण्ड। इस आन्दोलन को कुचलने के लिए अंग्रेज सरकार ने एकत्रित वन बंधुओं पर अंधाधुन्ध गोलियाँ चलाई।

3. 'खेजडली' गांव की इमरती देवी का बलिदान किस कारण हुआ?

उ. 'खेजडली' गांव की इमरती देवी का बलिदान प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से पेडों की कटाई रोकने के कारण हुआ क्योंकि राजा ने अपने सैनिकों से इस गांव से खेजडली के पेड काटकर लाने को कहा था। इमरती बाई ने उन्हें पेड काटने से रोका परिणाम स्वरूप पेड से चिपकी इमरती बाई, उसके पति एवं तीन पुत्रियों ने अपना बलिदान किया।

4. राजस्थान की भूमि ने सारे देश का गौरव बढाया है। कैसे?

उ. राजस्थान की भूमि ने ऐसे महापुरूषों को जन्म दिया है जो न केवल शस्त्र विद्या के धनी थे अपितु उन्हें शास्त्रों का भी उच्चकोटि का ज्ञान था। ऐसे सपूतों को जन्म देने वाली राजस्थान की धरती ने सारे देश का गौरव बढाया।

CBEO BHINDER

5. राजस्थान की भूमि के बारे में क्या प्रसिद्ध है?

उ. राजस्थान की धरती वीरों को जन्म देने वाली है। इस धरती की प्रशंसा में यह उक्ति प्रचलित है कि इस धरती पर न केसर उगती है न हीरे निकलते हैं। इस धरती की कोख से तो वे वीर जुझारू योद्धा जन्म लेते हैं जो सिर कट जाने पर भी युद्ध करते रहते हैं।

6. मधु व बसन्त में किस बात पर वैचारिक मतभेद है?

उ. मधु व वसन्त मध्यवर्गीय परिवार के है, मधु पढी लिखी व आडम्बरप्रिय नारी है। वह बेहद सफाई पसंद है, जबकि बसन्त भुलक्कड स्वभाव का है तथा वह प्रायः गलत तौलिये का इस्तेमाल करता है इस बात पर दोनो में बहस छिड जाती है और मधु नाराज हो जाती है। बसन्त उसे समझाने का प्रयास करता है कि सफाई रखना अच्छी बात है लेकिन उसे अपनी सनक बना लेने से उसमें कटुता आ जाती है इसी कारण दोनों में बहुत मतभेद रहता है।

7. 'जीवन का भेद बाह्य तडक भडक में नही, अन्तर की दृढता में है। इस कथन के आधार पर बसन्त की दो चारित्रिक विशेषताएं बताईये?

उ. बसन्त के चरित्र की दो विशेषताएं निम्नलिखित हैं।

अ. स्वच्छता प्रेमी किन्तु स्वच्छता की सनक से चिढ।

ब. बसन्त यथार्थवादी है, वह जीवन की सच्चाई से भागता नहीं है।

8. तौलिये एकांकी में एकांकीकार ने क्या संदेश दिया है?

उ. तौलिये एकांकी में एकांकीकार ने संदेश दिया है कि सफाई रखना अच्छा तथा आवश्यक गुण है। किन्तु स्वच्छता के प्रति अत्यधिक आग्रह ठीक नही है, एकांकी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सफाई रखे किन्तु उसके पीछे पागलपन तक जाकर घर की सुख शान्ति नष्ट न करें।

CBSE BINDER

9. 'तौलिये' एकांकी की संवाद योजना पर प्रकाश डालिए–

उ. 'तौलिये' एकांकी की संवाद योजना सुविचारित है, संवाद प्रायः छोटे तथा प्रभावशाली है। वह पात्रों की चरित्रगत विशेषताओं को प्रकट करते है, कथानक के विकास में उनका योगदान है।

10. ''जीवन को शिष्टाचार की बेडियों से जकड दिया जाए – यह न करो, वह न करो . ..... कही अन्त भी है।'' तौलिये' एकांकी में वसन्त के इस कथन से क्या आप सहमत है?

उ. बसन्त का यह कथन उचित है और हम इससे सहमत है, क्योंकि जीवन में कोरा शिष्टाचार नही चलता और यह न करों, वह न करों आदि की नकारात्मक जीवन शैली भी नही चलती। इस प्रकार के शिष्टाचार को कोई अन्त नही है, इससे जीवन में नकारात्मक दृष्टिकोण पनपता है जो कि सर्वथा अनुचित है।

11. उपेन्द्रनाथ 'अश्क' के 'तौलिये' एकांकी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए –

उ. उपेन्द्रनाथ 'अश्क' के 'तौलिये' एंकाकी में एक मध्यवर्गीय परिवार में भिन्न – भिन्न संस्कारों और रूचियों वाले व्यक्तियों के बीच पनपने वाले द्वन्द्व को बडी कुशलता से उभारा गया है। बसन्त की पत्नी मधु के संस्कार भिन्न है उसकी सोच और व्यवहार दिखावटी है वह प्रत्येक काम के लिए अलग तौलियों का प्रयोग करती है। बसन्त भुलक्कड व सरल स्वभाव के कारण तौलिये के प्रयोग में असावधान रहता है। इस तरह प्रस्तुत एकांकी में मूल संवेदना के रूप में तथाकथित सुसभ्य मध्यवर्गीय चेतना तथा अनावश्यक आडम्बरप्रियता पर व्यंग किया गया है।

CBEO BHINDER

12. 'जगत के चतुर चितेरे को भी मूढ बनना पडा'। बिहारी ने ऐसा क्यों कहां है?

उ. चित्र बनाते समय व्यक्ति को स्थिर मुद्रा में चित्रकार के सामने बैठना होता है। परन्तु इस नायिका का रूप सौन्दर्य प्रतिक्षण बदलता रहता है, चित्रकार के लिए गतिमान एवं परिवर्तनशील वस्तु का चित्र बनाना कठिन होता है। नायिका के गतिशील रूप सौन्दर्य का चित्र न बना सकने से कवि ने चतुर चित्रकार को भी मूढ कहा है।

13. नायिका नायक को पत्र क्यों नही लिख पा रही है?

उ. नायिका अपने प्रिय को पत्र इसलिए नही लिख पा रही है कि विरह व्यथा के कारण शरीर कमजोर होने से उसके हाथ लिखते समय कांपने लगते तथा उसकी आंखों में से आंसू आने से कागज पर स्याही फेल जाती है जिसके कारण वह पत्र नहीं लिख पा रही है।

14. बिहारी की कविता की कोई दो विशेषताएं बताइए–

उ बिहारी की कविता की दो प्रमुख विशेषाएं है–

1. गागर में सागर भरना।

2. आलंकारिक कथन शैली का प्रयोग।

15. कवि बिहारी चतुर राधा से क्या और क्यों अनुरोध कर रहे हैं?

उ. कवि बिहारी चतुर राधा से अपनी भव बाधाओं को दूर करने का अनुरोध कर रहे है। कवि को विश्वास है कि राधा की कृपा प्राप्त होने पर श्री कृष्ण की कृपा भी उन्हें प्राप्त हो जाएगी।

16. कवि बिहारी का साहित्यिक परिचय संक्षेप में दीजिए –

उ. कवि बिहारी रीतिकाल के रस सिद्ध कवि माने जाते है। इन्होंने अपनी रचना 'सतसई' में कम शब्दों में अत्यधिक भावव्यक्त कर गागर में सागर भरने का कार्य किया, बिहारी सतसई में श्रृंगार, भक्ति एवं नीति की त्रिवेणी प्रवाहित है। छोटे से दोहों में रस,

CBEO BHINDER

अलंकार, उक्ति वैचित्र्य, अन्योक्ति प्रयोग, लक्षणा –व्यंजना तथा मनोरम भावनाओं का समावेश इनकी काव्य प्रतिभा का श्रेष्ठ परिचायक है।

प्रश्न– 17 ' ममता' कहानी में हुमायूँ के प्रति ममता के मन में कैसे भाव उत्पन्न हुए व क्यों ?

उतर– ममता कहानी में हुमायूँ के प्रति ममता के मन में घृणा के भाव उत्पन्न हुए क्यों की हुमायूँ भी शेरशाह की तरह विधर्मी था व ममता उन्हें अपने पिता का वध करने वाला आततायी समझती थी।

प्रश्न–18 ममता कहानी में ममता की कौन –कौन सी चारित्रिक विशेषताएँ प्रकट हुई है ?

उतर ममता कहानी **में ममता** एक ईमानदार व अपने धर्म व कर्तव्य का पालन करने वाली सेवाभावी महान नायिका के रूप में प्रकट हुई है।

प्रश्न–19 ममता कहानी में हुमायूँ ने घोड़े पर सवार होते हुए अपने मिरजा से क्या कहा व क्यों कहा ?

उतर– ममता कहानी में हुमायूँ ने घोडे पर सवार होते हुए अपने मिरजा से कहा " उस स्त्री को मै कुछ दे न सका। उसका घर बनवा देना।" हुमायूँ ने ऐसा इसलिए कहा क्यों कि उस स्त्री ममता ने विपति में हुमायूँ को आश्रय प्रदान किया था।

प्रश्न–20 अकबर ने अपने पिता की स्मृति में झोपडी के स्थान पर किसका निर्माण करवाया ?

उतर– अकबर ने अपने पिता की स्मृति में झोपडी के स्थान पर गगनचुम्बी अष्टकोण मन्दिर का निर्माण करवाया।

प्रश्न– 21 अष्टकोण मंदिर के शिलालेख पर क्या अंकित करवाया गया। ?

उतर – अष्टकोण मंदिर के शिलालेख पर अकबर द्वारा यह अंकित करवाया गया कि सातो देश के नरेश हुमायूँ ने एक दिन यहॉ विश्राम किया था। उनके पुत्र अकबर ने उनकी स्मृति में यह गगनचुम्बी मंदिर बनवाया है।

CBEOBHINDER

प्र॰22 पैसे की व्यंग्य शक्ति से क्या आशय है ?

उत्तर पैसे के अभाव में मनुष्य में हीनता की भावना उत्पन्न होती है। पैसे वाला स्वयं को बड़ा तथा दूसरों से श्रेष्ठ समझता है। पैसे के अभाव में मनुष्य पैसे वालों से ईर्ष्या करता हैं पैसे की शक्ति ही उसकी व्यग्यं शक्ति कहलाती है।

प्र॰23 ''गाय करूणा की कविता है।'' ''गौरा'' रेखाचित्र की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

उत्तर करूणा की कविता का अर्थ है– करूण रस की साक्षात मूर्ति। गाय का सरल स्वभाव, वात्सल्य और आँखों में तैरता विश्वास का भाव, सहज ही उसके प्रति करूणा जगा देता है। इस रेखाचित्र की मूल संवेदना भी इसमें निहित लेखिका का गाय के प्रति करूणा भाव है जो कि एक सहज और सराहनीय मानवीय संवेदना है।

प्र॰24 ऐसी कौन सी बात थी जिसे जानकर महादेवी जी को कष्ट एवं आश्चर्य दोनों की अनुभूति हुई ?

उत्तर गौरा के गंभीर रूप से बीमार हो जाने पर डॉक्टरों को दिखाया गया। ज्ञात हुआ कि उसे सुई खिलाई गई है जो रक्त संचार के साथ उसके हृदय तक पहुँच गई है। उसकी मृत्यु निश्चित है। यह जानकर महादेवी को बड़ा कष्ट हुआ। आश्चर्य इसलिए हुआ कि ग्वाले ने विश्वासघात किया और अपना दूध लेने के लोभ में उसे सुई खिला दी। महोदवी जी को ग्वाले के कुकृत्य पर विश्वास नहीं हो पा रहा था।

प्र॰25 ''अब मेरी एक ही इच्छा थी'' महादेवी की इच्छा क्या थी?

उत्तर गौरा की मृत्यु सन्निकट जानकर महादेवी ने सोचा कि अन्तिम समय में वे गौरा के पास रहे। वे रात और दिन में कई–कई बार उसे देखने जाती। अन्त में एक दिन ब्रह्ममुहूर्त में जब महादेवी उसे देखने गई तो उसने सदा की तरह अपना सिर उठाकर महादेवी के कन्धे पर रखा और उसी समय उसके प्राण पखेरू उड़ गए।

प्र॰26 गौरा की मृत्यु पर महादेवी के हृदय पर क्या प्रभाव पडा और उन्होंने क्या कहा? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

CBEO BHINDER

यदि दीर्घ निःश्वास का शब्दों में अनुवाद हो सके तो उसकी प्रतिध्वनि कहेगी। आह, मेरा गोपालक देश। ऐसा क्यों किसने कहा?

उत्तर जब गौरा को जल समाधि देने को ले जाया रहा था तो महादेवी अत्यन्त भावुक हो गई। महादेवी के हृदय से एक दुख भरी साँस निकल गई। महादेवी के इस विश्वास में भारत के गोपालन के विडम्बनामय स्वरूप पर व्यंग्य और दुख व्यक्त हो रहा था। उनके मुख से बस इतना निकला 'आह, मेरा गोपालक देश'।

प्र॰27 पत्रकारिता के कौन–कौन से क्षेत्र है? किसी एक को समझाइए।

उत्तर आजकल पत्रकारिता के अनेक क्षेत्र हैं विज्ञान पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, वाणिज्यिक पत्रकारिता, आपराधिक पत्रकारिता, न्यायालयी पत्रकारिता आदि।

वैज्ञानिक पत्रकारिता– इस पत्रकारिता का क्षेत्र काफी विस्तृत है अंतरिक्ष से लेकर घरेलू वैज्ञानिक उपकरण इस क्षेत्र में आते है। इस पत्रकारिता के लक्ष्य विशेष वर्ग के पाठक होते है जिसको विज्ञान की समझ और नवीन आविष्कारों को जानने की उत्सुकता रहती है। इस पत्रकारिता की भाषा शैली रोचक सरल तथा विषय के अनुसार गंभीर भी हो सकती है पत्रकार को भी विज्ञान का ज्ञाता होना आवश्यक है।

प्र॰28 विज्ञान पत्रकारिता के लिए किन गुणों और विशेषता की आवश्यकता होती हैं?

उत्तर आज का युग विज्ञान का युग है। विज्ञान हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। विज्ञान पत्रकार को वैज्ञानिक खोज या घटना के विषय में पूरी जानकारी के साथ रिपोर्टिंग करनी चाहिए। विज्ञान सम्बन्धी जानकारियाँ जटिल होती है। उनको सरल और सुलझी हुई भाषा में प्रस्तुत करना चाहिए।

प्र॰29 खेल पत्रकारिता के लिए रिपोर्टर को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर खेलों की रिपोर्टिंग बड़े धैर्य और अनुभव का काम हैं इसके लिए रिपोर्टर के पास व्यापक अनुभव होना चाहिए। उसे खलों के सम्बन्ध में पर्याप्त ज्ञान, जेसे– खेलों के प्रचलित नियम व उसमें दिन प्रतिदिन हो रहे परिवर्तनों की जानकारी होनी चाहिए। उसे खेलों के राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय संगठनों व इन संगठनों के निर्णय की जानकारी होनी चाहिए। रिपोर्टिंग पक्षपात रहित होनी चाहिए ताकि आदर्श खेल भावना का प्रचार–प्रसार हो।

CBEO BHINDER

प्र.30 ''कवि भूषण अपने युग के राष्ट्रीय कवि थे।'' इस कथन पर प्रकाश डालिये।

उ. कवि भूषण रीतिकाल में राष्ट्रीय भावना का प्रसार करने वाले कवि थे तथा आज भी उनकी कविता हमें राष्ट्रीयता का संदेश देती रहती है उनके काव्य में राष्ट्र का उत्थान, धर्म की रक्षा, संस्कृति की रक्षा तथा अत्याचारों के विरूद्ध एक तीखा स्वर मिलता है। उन्होंने शिवाजी और छत्रसाल की वीरता एवं पराक्रम का अत्यन्त ओजस्वी वर्णन किया है।

प्र.31 'तेरे ही भुजानि पर भूतल को भार' – कवित्त में कवि द्वारा शिवाजी की क्या विशेषता बतायी गयी है?

उ. उक्त कवित्त में कवि भूषण ने प्रशंसात्मक वचनों में बताया है कि उचित शासन व्यवस्था एवं प्रजापालन का भार वहन करने में शिवाजी शेषनाग, हिमालय एवं दिड्नाग के समान है, मानों प्रजाजनों का भरण पोषण करने के लिए ही धरती पर उनका अवतरण हुआ है। शिवराज अपनी प्रजा का हित साधने में जहाँ सर्वसमर्थ है, वही शत्रुओं का संहार करने में वे यमराज है, इस प्रकार शिवाजी का प्रजापालन में विशेष दक्ष बताया गया है।

प्र.32 समाचार लेखन के लिए छःककार कौन – कौन से है, और ये क्यों आवश्यक है?

उ. समाचार लेखन के लिए छः सूचनाओं का प्रयोग किया जाता है, ये छः सूचनाएँ क्या हुआ, कब हुआ किसके (कौन) साथ हुआ, कहाँ हुआ, क्यों और कैसे हुआ, प्रश्नों के उत्तर में प्राप्त होती है। यही छः ककार कहलाती है। समाचार को प्रभावी एवं पूर्ण बनाने के लिए ही इन छः ककारों का प्रयोग किया जाता है।

प्र.33 इंट्रो लिखते समय किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए?

उ. इंट्रो समाचार का प्रारंभिक एवं महत्वपूर्ण भाग होता है, जिसमें समाचार का समस्त सूचनात्मक भाग निहित होता है। इंट्रो के बाद का भाग तो मात्र विस्तार के लिए ही होता है।

CEO BINDER

प्र.34 हार्ड न्यूज तथा सॉफ्ट न्यूज का आशय या अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उ. दैनिक समाचार पत्रों में प्रतिदिन के ताजा घटनाक्रम, अपराध से जुडी खबरे तथा दुर्घटनाओं से जुडे समाचार हार्ड न्यूज की श्रेणी में आते है, परन्तु मानवीय रूचि से जुडी खबरे, संवेदनाओं का स्पर्श करने वाले समाचार साफ्ट न्यूज की श्रेणी में आते है। आम तौर पर साप्ताहिक, पाक्षिक आदि पत्रिकाओं में सॉफ्ट न्यूज का ही प्रकाशन किया जाता है।

प्र.35 त्रिताप कौन कौन से होते है? हिमालय की शीतलता से वे कैसे दूर हो गए?

उ. त्रिताप अर्थात् कष्ट तीन प्रकार के होते है–

1. दैहिक
2. दैविक
3. भौतिक

हिमालय की शीतलता मनुष्य के शारीरिक कष्टों को दूर करती है, हिमालय की शीतलता, पवित्रता, और शांति मनुष्यों को त्रितापों से मुक्त कर देती है।

प्र.36 लेखक धर्मवीर भारती ने कौसानी गांव में डूबते सूरज का जो वर्णन किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उ. कौसानी गांव में जब सूर्यास्त होने लगा, तो पहले उसकी पीली आभा से हिम शिखरों एवं ग्लेशियरों में मानों केसर पिघलने लगी। फिर कुछ क्षण बाद अस्त होते सूर्य की लाल आभा फैली, तो बर्फ कमल के लाल फूलों में बदलने लगी। तो वहाँ के शिखर भाग भी उसी तरह हो गए और घाटियों में कुछ लालिमा बिखरने लगी। इस प्रकार सूर्यास्त के समय वहां का प्राकृतिक परिवेश सुरम्य दिखाई दिया।

CBEO BHINDER

प्र.37 गाँधीजी के अनुसार आत्मिक शिक्षा का अर्थ क्या है? और वह विद्यार्थियों को किस प्रकार दी जा सकती है?

उ. गाँधीजी ने आत्मिक शिक्षा का अर्थ आत्मिक विकास माना है, इसमें चरित्र निर्माण करना, ईश्वर का ज्ञान प्राप्त करना और आत्मज्ञान प्राप्त करना सम्मिलित है। आत्मिक शिक्षा देने के लिए अध्यापक को अपने आचरण पर ध्यान देना चाहिए, उसे विद्यार्थियों के सामने आचरण का आदर्श रूप प्रस्तुत करना चाहिए।

प्र.38. 'मनुष्य और उसका काम' इस विषय पर गाँधीजी के क्या विचार थे?

उ. गाँधीजी का विचार था कि मनुष्य और उसका काम ये दोनो भिन्न वस्तुएं है। अच्छे काम के प्रति आदर और बूरे के प्रति तिरस्कार होना ही चाहिए। इसके साथ ही भले बुरे काम करने वालों के प्रति आदर या दया होनी चाहिए। यह चीज समझने में सरल है, पर इसके अनुसार संसार में आचरण कम होता है। इसी कारण इस संसार में विष फैलता रहता है।

प्र.39 इंग्लैण्ड निवासी गाँधीजी के संबंध में उनके मित्र को चिन्ता क्या थी?

उ. गाँधीजी उस काल में अपने जीवन में अन्नाहार विषयक प्रयोगों को महत्व देने लगे थे। इस कारण उनके मित्र की चिन्ता थी कि गाँधीजी मांस नही खायेंगे तो कमजोर होने के साथ अंग्रेज समाज में घुल मिल भी नही पायेंगे।

प्र.40 गाँधीजी गंगाबाई से किसके माध्यम से मिले थे? उसकी चारित्रिक विशेषताओं को वर्णित कीजिए?

उ. गाँधीजी गंगाबाई से अपने एक गुजराती मित्र के माध्यम से भडौच शिक्षा मंदिर में मिले थे, विधवा गंगा बाई अधिक पढी लिखी नही थी। वह सदा साहसी और समझदार

CBEO BHINDER

थी। वह अस्पृश्यता के भाव से दूर और दलितों की सेवा करने वाली थीं वह शरीर से मजबूत, पैसे वाली और हिम्मती थी और घुडसवारी भी जानती थी।

प्र.41 टीवी समाचारों की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

उ. टीवी समाचारों में ये गुण होने चाहिए 1. सभी समाचार तथ्यों पर आधारित हो, 2. भाषा स्पष्ट, सरल एवं बोधगम्य हो, 3. भाषा में प्रवाह, संक्षिप्तता तथा प्रदर्शित दृश्यों से साम्य हो, 4. तथ्यों का दोहराव न हो। 5. टीवी पर ध्वनियो से भी खबर बनती है, 6. विषयों के अनुसार न्यूज बुलेटिन तैयार होने चाहिए, 7. भ्रमित करने वाली सूचना का कदापि प्रसारण न हो।

संवाद सेतु

रिपोर्ताज, यात्रा वृतांन्त, डायरी लेखन

42 रिपोर्ताज किसे कहते है?

उ. हमारे आस पास घटित विभिन्न घटनाओं की कलात्मक प्रस्तुति ही रिपोतार्ज है अर्थात् किसी आंखों देखी या सुनी घटना के विस्तृत व कालात्मक विवरण के संक्षिप्त तथा सरल शैली में प्रस्तुतीकरण को रिपोर्ताज कहा जाता है। इसमें संवेदनशीलता, ज्ञान और आनन्द का संगम होता है।

43 रिपोर्ताज विधा की प्रथम रचना कौनसी है?

उ. सन 1938 में प्रकाशित शिवदान सिंह चौहान की रचना लक्ष्मीपुरा को रिपोर्ताज विधा की प्रथम रचना माना जाता है।

44. रिपोर्ट और रिपोर्ताज में अन्तर बताइए–

उ रिपोर्ट व रिपोर्ताज की विषयवस्तु एक ही होते हुए भी प्रस्तुतीकरण की दृष्टि से भिन्नता लिए हुए है। रिपोर्ट जहां किसी घटना का तथ्यात्मक वर्णन है, वही रिपोतार्ज

CBEO BHINDER

किसी घटना की कलात्मक अभिव्यक्ति। रिपोर्ट नीरस होती है जबकि रिपोर्ताज सरस होता है। रिपोर्ट सामान्य शैली में लिखी जाती है जबकि रिपोर्ताज रेखाचित्र शैली में लिखा जाता है। रिपोर्ट घटना होती है, जबकि रिपोर्ताज में कथा तत्व का मिश्रण रहता है।

45. हमें यात्रा क्यों करनी चाहिए?

उ. हमारे आस पास का संसार अति विविधता पूर्ण है। इसे जानने समझने व इसका आनन्द लेने के लिए हमें यात्रा करनी चाहिए। यह व्यक्ति को उसके निजी जीवन के दबावों से कुछ समय के लिए मुक्त करती है। इसके माध्यम से नए वातावरण, नई परिस्थितियों और नए व्यक्ति के साथ अधिक स्वस्थ और स्वाभाविक संबंध स्थापित होते है। अतएव जीवन के आनन्द से जीने के लिए यात्रा करनी चाहिए।

46 यात्रा की विशेषताओं के संदर्भ में मोहन राकेश के विचारों को स्पष्ट कीजिए?

उ. मोहन राकेश के अनुसार यात्रा यायावर को एक तटस्थ दृष्टि देती है, जो रोज के द्वन्द्वपूर्ण जीवन में रहकर प्राप्त नही होती। यात्रा के दौरान व्यक्ति अपने जीवन के निकट वातावरण से हटकर, निजी परिस्थतियों के दबाव से मुक्त रहता है। इसमें वह आरोपित नैतिकता में नही आन्तरिक नैतिकता के अनुसार जीवनयापन करता है।

47. डायरी की परिभाषा लिखिए।

उ. 'डायरी आधुनिक गद्य साहित्य की सर्वाधिक सशक्त व्यक्तिगत विद्या है। सीमित अर्थ में यह कॉपी नोटबुक या वह पुस्तिका डायरी है, जिसमें हर रोज दैनिक घटनाओं या दिनभर किये गये कार्यों का लेखा जोखा रखा जाये। इस प्रकार डायरी उसे कहते है जिसमें निजी स्तर पर घटित घटनाओं और तत्संबंधी बौद्धिक – भावनात्मक प्रतिक्रियाओं का विवरण लिखा गया है।

48. साहित्य में डायरी लेखन का क्या महत्व है? डायरी प्रकाशन की प्रमुख पत्रिकाओं के नाम लिखिए –

CBEO BHINDER

उ. साहित्य में डायरी लेखन का विशेष महत्व है। साहित्यकार इसमें अपने विचारों, अपनी अनुभूतियों एवं परिचय में आये व्यक्तियों, मित्रों तथा स्थानों आदि के विषय में तथ्यात्मक विवरण लिखते है। इनमें कल्पना में यथार्थ का सुन्दर समन्वय होता है। वर्तमान में साप्ताहिक धर्मयुग, निकल, हिन्दुस्तान, ज्ञानोदय, कल्पना, कादम्बिनी, माध्यम, बिन्दु तथा सारिका डायरी प्रकाशन की प्रमुख पत्रिकाओं के नाम है।

49. व्यक्तिगत डायरी तथा सहित्यक डायरी में क्या अन्तर होता है? स्पष्ट कीजिए।

उ. व्यक्तिगत डायरी व्यक्ति विशेष के निजी जीवन से संबंधित होती है। ऐसी डायरी का लेखक अपने जीवन की घटनाओं अनुभवों और विचारों को लिखता है। व्यक्तिगत डायरी तथ्य प्रधान होती है। साहित्यक डायरी में तथ्यों को कल्पना, संवेदनाओं और अनुभूतियों से सजाकर प्रस्तुत किया जाता है। यह गोपनीय या व्यक्तिगत नही होंती। यह पाठकों को आनंदित करने के लिए लिखी जाती है।

50. डायरी लेखन का जनजीवन पर क्या प्रभाव होता है?

उ. डायरियाँ मनोरंजन के साथ ही हमारे जीवन को सुधारने की भूमिका भी निभाती है। डायरियाँ हमारे विगत जीवन का लेखा होती है और अधिक आयु में उनका पुनरावलोकन हमें अपने जीवन में हुए परिवर्तनों से परिचित कराती है। डायरी हमें अपने आगामी जीवन की रूपरेखा तय करने में मदद करती है।

उषा

प्रश्न–51 शमशेर की कविता गॉव की सुबह का जीवंत चित्रण है। पुष्टि कीजिए। (40 शब्दों में)

उतर– कवि ने गॉव की सुबह का सुंदर चित्रण करने के लिए गतिशील बिम्ब योजना की है।

भोर के समय आकाश नीले शंख के समान बताया गया है। ये सभी दृश्य एक दूसरे से जुडे हुए है। इसमें गतिशीलता है।

प्रश्न–52 कवि ने किस जादू के टूटने का वर्णन किया है ?(40 शब्दों में)

CBEOBINDER

उतर– सूर्य कवि ने नए–नए उपमानों के द्वारा सूर्योदय का सुंदर वर्णन किया है। ये उपमान के उदय होने में सहायक है। कवि ने इनका प्रयोग गतिशीलता के लिए किया है । सूर्योदय होते ही यह जादू टूट जाता है।

प्रश्न–53 निम्नलिखित काव्यांश का भाव – सौन्दर्य बताइए–

" बहुत काली सिल जरा–से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो।"

डतर– कवि कहता है कि जिस प्रकार ज्यादा काली सिल अर्थात पत्थर पर थोडा सा केसर डाल देने से वह धुल जाती है अर्थात उसता कालापन खत्म हो जाता है ठीक उसी प्रकार काली सिल को किरण रूपी केसर धो देता है अर्थात सूर्योदय होते ही हर वस्तु चमकने लगती है।

प्रश्न–54) 'उषा' कविता में भोर के नभ की तुलना किससे की गई है और क्यों ?(40 शब्दों में

उतर– है। उषा कविता में प्रातः कालीन नभ की तुलना राख से लीपे गए गीले चौके से की

इस समय आकाश नभ तथा धुधंला होता है। इसका रंग राख से लिपे चूल्हे जैसा मटमैला होता है । जिस प्रकार चूल्हा चौका सूखकर साफ हो जाता है उसी प्रकार कुछ देर बाद आकाश भी स्वच्छ निर्मल हो जाता है।

प्रश्न– 55 सूर्योदय से पहले आकाश में क्या–क्या परिवर्तन होते है ?

उषा" कविता के आधार पर बताइए।(40 शब्दों में)

उतर– सूर्योदय से पहले आकाश का रंग शंख जैसा नीला होता है उसके बाद आकाश राख से लीपे चौके जैसा हो गया । सुबह की नमी के कारण वह गीला प्रतीत होता है। सूर्य की प्रारंभिक किरणों से आकाश ऐसा लगा मानों काली सिल पर थोडा लाल केसर डालकर उसे धो दिया गया ह

प्र.56 रीतिकालीन श्रंगारी कवि बिहारी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

CBEO BHINDER

उ. कवि बिहारी के बारे में एक उक्ति बहुत प्रचलित हैः–

सतसैया के दोहरे, ज्यों नावक के तीर।

देखत में छोटे लगे, घाव करे गंभीर।।

दोहे जैसे छोटे छंद में कवि बिहारी ने भावनाओं, विचारों कल्पनाओं, रस अलंकारों का ऐसा साज संजोया है, कि काव्य प्रेमी उन्हें गागर में सागर भर देने वाला कवि मानते आ रहे है।

बिहारी की रचनाओं में अनुभवों, परिस्थितियों तथा मानवीय गतिविधियों का सुंदर समावेश है, वही नीति श्रृंगार, अर्थशास्त्र, गणित ज्योतिष, लोक विश्वास आदि विषयों का भी जन उपयोगी कोष विद्यमान है।

प्र.57 छायावादी लेखक जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

उ. जयशंकर प्रसाद :–

छायावादी काव्यधारा के प्रमुख कवि जयशंकर प्रसाद ब्रजभाषा में कविताएँ लिखते थे, बाद में खडी बोली में लिखने लगे। गद्य के क्षेत्र में प्रसाद, ने श्रेष्ट ऐतिहासिक नाटक, उपन्यास, कहानियां तथा निबंध लिखे है।

कृतियाँ – प्रसाद जी की प्रमुख रचनाएँ इस प्रकार है–

नाटक – चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त, अजातशत्रु, राज्यश्री इत्यादि।

उपन्यास – कंकाल, तितली, इरावती (अपूर्ण)

कहानी संग्रह – इन्द्रजाल, आँधी, छाया, प्रतिध्वनि, आकाशदीप

निबंध – काव्यकला और अन्य निबंध ।

प्र.58 वीररस के रीतिकालीन कवि भूषण का साहित्यिक परिचय देते हुए इनकी प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

CBEO BHINDER

उ. वीररस के सिद्ध कवि ''भूषण'' का जन्म सन् 1613 ई. में कानपुर के गांव तिकवापुर में हुआ था।

भूषण का वास्तविक नाम घनश्याम बताया गया है।

भूषण की प्रमुख रचनाएँ– भूषण के तीन ग्रन्थ प्राप्त हुए है।

– 'शिवराज भूषण'

– 'शिवा बावनी'

– 'छत्रसाल दशक'

कवि भूषण ने रीतिकालीन घोर श्रृंगार मय काव्य – रचना के वातावरण के बीच अपनी ओजमयी वाणी में वीररस केकाव्य का सृजन किया ।

अलंकार प्रियता और नाद सौंदर्य आपकी कविता की विशेषताएं है।

प्र.59 कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर का साहित्यिक परिचय दीजिए।

उ. कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर ने पत्रकारिता के माध्यम से साहित्यिक जीवन में प्रवेश किया। आपने हिन्दी गद्य की निबंध, संस्मरण, रिपोर्ताज, आदि विधाओं में स्तुत्य योगदान किया, आपकी भाषा सरल, साहित्यिक तथा व्यावहारिक है।

आपने तत्सम शब्दों के साथ उर्दू, अंग्रेजी आदि भाषाओं के शब्दों तथा मुहावरों का सफल प्रयोग किया है।

कृतियाँ – प्रभाकर जी की प्रमुख रचनाए है–

निबंध संग्रह – जिन्दगी मुस्करायी, माटी हो गयी सोना

लघु कथा संग्रह – आकाश के तारे, धरती के फूल।

रिपोर्ताज – श्रम बोले कण मुस्काये।

प्र.60 भक्तिकालीन के सगुणधारा के कवि सूरदास का साहित्यिक परिचए दीजिए।

CBEO BHINDER

उ. श्रीकृष्ण की विविध लीलाओं का मनोहारी वर्णन करने वाले कविवर सूरदास का जन्म दिल्ली के समीप सीही नामक गांव में 1483 ई. में हुआ था। सूरदास नेत्र ज्योति से वंचित थे। महाप्रभु वल्लभाचार्य के उपदेशों से प्रेरित होकर सूरदास ने कृष्ण की लीलाओं का वर्णन प्रारंभ किया।

प्रमुख रचनाए – सूरदास जी की 3 रचनाएँ प्रसिद्ध है।

1. सूरसागर
2. सूर सारावली
3. साहित्य लहरी

भक्ति और श्रृंगार के कवि ने संयोग तथा वियोग दोनों का ही अद्वितीय हृदयस्पर्शी वर्णन किया है।

सूरदास वात्सल्य रस के वर्णन में अत्यन्त कुशल है। 'सूरसागर' सूरदास की अक्षय कीर्ति की ध्वजा है।

CBEO BHINDER

गद्यांश –1

अपठित गद्यांश को पढकर दिए गए प्रश्नों के उतर दीजिए –

आजकल विचारकों का ध्यान इस सवाल की ओर बार – बार जाता है कि आज से सौ – पचास वर्ष बाद भारत का रूप क्या होने वाला है ? क्या वह ऐसा भारत होगा, जिसे विवेकानंद और गाँधी पहचान सकेंगें अथवा बदलकर वह पूरा का पूरा अमेरिका और यूरोप बन जाएगा ? पिछले सौ – डेढ – सौ वर्षो से भारत आधुनिकता की ओर बढता जा रहा लेकिन समझा यह जाता है कि भारत अब भी आधुनिक देश नहीं है। वह मध्यकालीनता से आच्छन्न है। स्वतन्त्रता के बाद से आधुनिकता का प्रश्न अत्यन्त प्रखर हो रहा है , क्योकि चिंतक यह मानते है कि हमने अगर आधुनिकता का वरण शीघ्रता के साथ नहीं किया , तो हमारा भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। अतएव यह प्रश्न विचारणीय है कि आधुनिक बनने पर भारत का कौनसा रूप बचने वाला है और कौनसा मिट जाने वाला है ? नैतिकता सौन्दर्य बोध और अध्याय के समान आधुनिकता का कोई सशक्त मूल्य नहीं है। सच पूछिए तो वह मूल्य है ही नहीं , वह केवल समय सापेक्ष धर्म है। नवीन युग समय–समय पर आते ही रहते है और जैसे आज के नए जमाने पर आज के लोगो को गर्व है, उसी तरह हर जमाने के लोग अपने जमाने पर गर्व करते रहे है। संसार का कोई भी समाज किसी भी समय इतना स्वाभाविक नहीं रहा कि हर आदमी को पसन्द हो और कोई समाज ऐसा भी नहीं बना है जिसके बाद का काल उसका आलोचक न रहा हो।

(क) आजकल विचारकों का ध्यान किस और बार – बार जाता है?

उतर– आजकल विचारको का ध्यान बार–बार इस सवाल की ओर जाता है कि सौ –पचास साल बाद भारत का रूप कैसा होने वाला है ? क्या गॉधी और विवेकानंद उसे पहचान सकेगें अथवा वह बदलकर पूरी तरह यूरोप या अमेरिका बन जाएगा ?

(ख) आधुनिकता के संबंध में लेखक का क्या मत है ?

उतर– लेखक का मत है कि आधुनिकता का नैतिकता ,सौन्दर्य बोध तथा अध्यात्म की भॉति

CBEO BINDER

कोई शाश्वत मूल्य नहीं है। वह तो एक समय–सापेक्ष धर्म है।

(ग) उक्त गद्यांश में कौनसा प्रश्न विचारणीय है ?

उतर– उक्त गद्यांश में यह प्रश्न विचारणीय है कि आधुनिक बनने पर भारत का कौनसा रूप

बचने वाला है और कौनसा रूप मिट जाने वाला है ?

(घ) उपर्युक्त गद्यांश का एक उचित शीर्षक लिखिए ?

उतर– भारत और आधुनिकता

(ड) विचारणीय शब्द में कौन सा प्रत्यय जुडा है ? इस प्रत्यय से दो नए शब्द बनाइए।

उतर विचारणीय शब्द में 'अनीयर्' (अनीय) प्रत्यय जुड़ा है। इस प्रत्यय से निर्मित अन्य दो शब्द है– 'अनुकरणीय' तथा 'पठनीय'।

CBEO BHINDER

गद्यांश 2

समय वह सम्पत्ति है जो कि प्रत्येक मनुष्य को ईश्वर की ओर से मिली है जो लोग इस धन को संचित रीति से बरतते है वे शारीरिक सुख तथा आत्मिक आनन्द प्राप्त करते है। इसी समय संपत्ति के सदुपयोग से एक जंगली मनुष्य देवता स्वरूप बन जाता है। इसी के द्वारा मूर्ख विद्वान, निर्धन धनवान और अनुभवी बन सकता है। संतोष, हर्ष या सुख तब तक मनुष्य को प्राप्त नही होता जब तक कि वह उचित तरीके से अथवा रीति से समय का सदुपयोग नही करता है। समय निस्संदेह एक रत्न राशि है। जो कोई उसे अपरिमित और अगठित रूप से अन्धाधुंध व्यय करता है वह दिन दिन, अंकिचन, रिक्त हस्त और दरिद्र होता है। वह आजीवन खिन्न और समय को कोसता रहता है। सच तो यह है कि समय का सुदपयोग करना आत्मोन्निति तथा उसे नष्ट करना एक प्रकार की आत्महत्या है।

1. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए –

उ. उचित शीर्षक है समय का महत्व अथवा समय का सदुपयोग।

2. ईश्वर की ओर से प्रत्येक मनुष्य को क्या मिली है?

उ ईश्वर की ओर से प्रत्येक मनुष्य को समय रूपी सम्पत्ति मिली है।

3. समय का सदुपयोग करने से क्या लाभ रहता है? बताए।

उ. समय का सदुपयोग करने से मूर्ख विद्वान, निर्धन धनवान और अनुभवी बन सकता है।

4. मनुष्य को संतोष, हर्ष या सुख कब तक प्राप्त नही होता है?

उ. मनुष्य को संतोष, हर्ष या सुख तब तक प्राप्त नही होता है जब तक कि वह उचित तरीके से अथवा रीति से समय का सदुपयोग नही करता है।

5. समय नष्ट करना एक प्रकार की क्या है?

उ. समय नष्ट करना एक प्रकार की आत्महत्या है।

CBEO BHINDER

गद्यांश 3

वर्तमान काल में ज्ञान विज्ञान और स्त्री शिक्षा का प्रसार होने से नारी शोषण उत्पीडन के विरूद्ध जागृत हो गई है। अब पढी लिखी नारियाँ अपने पैरो पर खडी होकर पुरूष के समान सभी कार्यों में दक्षता दिखा रही है। अब समान अधिकारों की परम्परा चलने लगी है शहरी क्षेत्रों में नारी पर्दा प्रथा तथा विकृत रूढियों से मुक्त हो गई है। परन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी सामाजिक कुरीतियां प्रचलित है। संविधान में प्रदत्त अधिकारों के अनुसार जनजागरण हो रहा है। तथा नारी समाज की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को बढावा मिल रहा है। फिर भी इस दिशा में अभी तक कुछ कमियाँ दूर नही हुई है। क्योंकि आज ही दहेज के कारण नव वधुओं के द्वारा आत्महत्या करने के समाचार सुनने में आते है नारियों के साथ मारपीट एवं शोषण अभी भी चल रहा है। यह समाज के लिए चिन्तनीय विषय है।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए?

उ. नारी सुरक्षा एवं सशक्तिकरण

2. प्रचलित शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय लिखिए?

उ. प्र उपसर्ग, चल धातु, इत प्रत्यय

3. शहरी क्षेत्रों में महिला किन किन रिवाजों से मुक्त हो गई है?

उ पर्दा प्रथा और विकृत रूढियों से मुक्त हो गई है?

4. समाज के लिए चिन्तनीय विषय क्या है?

उ. नारियों के साथ मार पीट एवं शोषण आदि चिन्तनीय विषय है।

5. नारी पुरूषों के बराबर व नारी शोषण उत्पीडन के विरूद्ध जागृति कैसे आ सकती है?

उ. ज्ञान विज्ञान और स्त्री शिक्षा का प्रसार होने से।

गद्यांश 4

देश की सर्वांगीण उन्नति एवं विकास के लिए देशवासियों में स्वदेश प्रेम का होना परम आवश्यक है। जिस देश के नागरिकों में देशहित एवं राष्ट्र कल्याण की भावना की भावना रहती है, वह देश उन्नतिशील रहता है। देश प्रेम के पूत भाव से मण्डित व्यक्ति देशवासियों की हितसाधना में, देशोंद्वार में तथा राष्ट्रीय प्रगति में तन न्यौछावर कर देता है। हम अपने देश के इतिहास पर दृष्टिपात करें तो ऐसे देशभक्तों की लम्बी परम्परा मिलती है। जिन्होंने अपना सर्वस्व समर्पण करके देश प्रेम का अद्भूत परिचय दिया है। महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी, सरदार भगतसिंह, महारानी लक्ष्मीबाई, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी आदि सहस्त्रों देशभक्तों के नाम इस दृष्टि से लिए जाते है। हमें अपने देश के इतिहास से देश प्रेम की एक गौरवपूर्ण परम्परा मिलती है। और इससे हम देश हितार्थ सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा प्राप्त करते है।

1. उपुर्यक्त गद्यांश का उचित शीर्षक बताइएं।

CBEO BHINDER

उत्तर स्वदेश प्रेम

2. लेखक के अनुसार कौनसा देश उन्नतिशील होता है?

उत्तर जिस देश के नागरिको मे देश हित एवं राष्ट्रकल्याण की भावना रहती है

3. अपना सर्वस्व समर्पण करके किस किसने देश प्रेम का परिचय दिया है?

उत्तर महाराणाप्रताप, वीरशिवाजी, सरदारभगत सिंह ,महारानी लक्ष्मी बाई, लोकमान्य तिलक ,एवं महात्मा गाँधी

4. देश की सर्वांगीण उन्नति एवं विकास के लिए देशवासियों में क्या होना परम आवश्यक है?

उत्तर अपने देश के प्रति प्रेम एवं सर्वस्व समर्पण की भावना होना आवश्यक है

5. उक्त गद्यांश का सार लगभग गद्यांश के एक तिहायी शब्दों में लिखिए?

उत्तर आज वही राष्ट्र उनत्तिशील होता है जिस देश के निवासी अपने देश से प्रेम करते है,रास्त्र कल्याण की भावना रखते है तथा सर्वस्व समर्पण की भावना रखते है|हमारे देश मे महाराणा प्रताप ,वीर शिवाजी,महात्मा गाँधी आदि ऐसे अनेक देशभक्त हुए है जिन्होंने देश के उद्धार मे एवं प्रगति मे अपना सब कुछ न्योछावर कर दिय

गद्यांश 5

निम्नलिखित गद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गाँधीजी के अनुसार शिक्षा शरीर, मस्तिष्क औरआत्मा का विकास करने का माध्यम है। वे बुनियादी शिक्षा के पक्षधर थे। उनके अनुसार प्रत्येक बच्चें को अपनी मातृभाषा की निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा मिलनी चाहिए जो उसके आस पास की जिन्दगी पर आधारित हो; हस्तकला एवं काम के जरिए दी जाए; रोजगार दिलाने के लिए बच्चे को आत्मनिर्भर बनाए तथा नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करने वाली हो। गाँधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि

CBEO BHINDER

रखते थे तथा उन्होंने अपने जीव में सामाजिक एवं राजनीतिक आंदोलनों में भाग लेकर भारतीय समाज एवं राजनीति में इन मूल्यों को स्थापित करने की कोशिश की। गाँधीजी की सारी सोच भारतीय परम्परा की सोच है तथा उनके दिखाए गये मार्ग को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति और सम्पूर्ण राष्ट्र वास्तविक स्वतंत्रता, सामाजिक सद्भाव एवं सामुदायिक विकास को प्राप्त कर सकता है। भारतीय समाज जब जब भटकेगा तब तब गाँधीजी उसका मार्गदर्शन करने में सक्षम रहेंगे।

अ) गाँधीजी के अनुसार प्रत्येक बच्चे को किस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए?

उ. गाँधीजी के अनुसार प्रत्येक बच्चे को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक का विकास करने वाली, अर्थात् बुनियादी शिक्षा दी जानी चाहिए।

ब) गाँधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे यह किस प्रकार का वाक्य है; बताते हुए परिभाषा भी लिखे।

उ यह मिश्र वाक्य है। इसमें 'गाँधीजी के विचारों से स्पष्ट है' मुख्य उपवाक्य है, तथा उस पर आश्रित 'वे व्यक्ति और समाज .....रखते थे' संज्ञा उपवाक्य है, जो 'कि' अव्यय से जुड़ा हुआ है।

प्र.3 भटके हुए भारतीय समाज को महात्मा गाँधी ने किस प्रकार मार्ग प्रशस्त किया है?

उ. महात्मा गाँधी को दिखाए मार्ग को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति और सम्पूर्ण वास्तविक स्वतंत्रता, सामाजिक, सद्भाव एवं सामुदायिक विकास को प्राप्त कर सकता है।

प्र.4 महात्मा गाँधीजी ने प्रत्येक बच्चें को किस भाषा में शिक्षा देने की बात कही है?

उ. महात्मा गाँधी ने प्रत्येक बच्चे को अपनी मातृभाषा की निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा मिलने की बात कही है।

CBEO BHINDER

प्रश्न निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये

''हे भगवान! तब के लिए! विपद के लिये! इतना आयोजन! परमपिता की इच्छा के विरूद्ध इतना साहस! पिताजी, क्या भीख न मिलेगी? क्यों कोई हिन्दु भू– पृष्ठ पर न बचा रह जायेगा, जो ब्राह्मण को दो मुठ्ठी अन्न दे सके? यह असम्भव है। इसकी चमक आँखों को अन्धा बना रही है।''

प्रसंग: प्रस्तुत अवतरण प्रसाद की 'ममता' कहानी से उद्धृत है। मंत्री चूडामणि ने शत्रु से रिश्वत लेकर ममता के सामने काफी सोना लाकर रखा। ममता ने उस स्वर्ण को लौटाने के लिए पिता से आग्रह किया । उसी अवसर पर यह ममता का कथन है।

व्याख्या: ममता अपने पिता के द्वारा शत्रुपक्षसे उत्कोच ग्रहण करने के कृत्य से अतीव दुखी हुई। उसने पिता के भविष्य में मंत्री न रह जाने से आने वाली कठिनाईयों को ध्यान में रखकर, धन जुटाने के इस कार्य को अच्छा न मानकर आश्चर्य मिश्रित खेद का भाव व्यक्त किया। उसने पिता से कहा कि अभी जो विपत्ति नही आयी है, उसके लिए आपने इतनी बडी व्यवस्था कर डाली। यह उचित नही है। जब ईश्वर विपत्ति ही देना चाहता है तो आप उसकी व्यवस्था के उसकी इच्छा के विरूद्ध धन जुटाने का कार्य क्यों कर रहे हो। उसके पिता से कहा कि यदि राज्य नही रह जायेगा, आपकी मौजुदा आजीविका का स्त्रोत नही रह जायेगा, तब भी धरती पर ब्राह्मण को भीख देने वाले लोग तो जीवित रहेंगे ही। उसने कहा कि पिताजी हम ब्राह्मण है और ब्राह्मण को अधिक धन की आवश्यकता नही हुआ करती। ब्राह्मण तो भीख मांग कर काम चला लिया करता है। हम भी ब्राह्मण होने के नाते भीख मांग कर निर्वाह कर लेंगे, फिर इतने धन जुटाने की, रिश्वत के रूप में गलत ढंग से धन एकत्र करने की क्या जरूरत है? कोई न कोई हमें भीख में थोडा अनाज तो दे ही देगा, इसलिए भविष्य की चिन्ता करने की जरूरत ही नही है।

विशेष :–

CBEO BHINDER

1. ममता के माध्यम से कहानीकार बताना चाहता है कि भविष्य में आने वाली विपत्ति की जानकारी होने पर भी गलत ढंग से हराम का धन एकत्र नही करना चाहिये।

2. भाषा संस्कृतनिष्ठ तथा परिमार्जित है शैली भावात्मक है।

प्रश्न निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये

कहत सबै बैंदी दियै आंकु दसगुनौ होतु।

तिय– लिलार बैंदी दियै, अगनितु बढतु उदोतु।।

प्रसंग : यह दोहा कवि बिहारी द्वारा रचित 'सतसई' से उद्धृत है। इसमें नायिका की मुख शोभा का अतिशय वर्णन किया गया ।

व्याख्याः नायिका की सखी या दुती नायिका से कहती है कि सब लोग ऐसा कहते है कि किसी भी अंक के सामने बिन्दी (शुन्य) रख देने से उसका मान (मुल्य) दस गुना बढ जाता है, किन्तु उस नायिका के ललाट पर बिन्दी लग जाने से अनन्त गुना प्रकाश (रूप सौन्दर्य) होने लगता है। अर्थात् उसका सोन्दर्य अतिशय बढ जाता है। सौन्दर्य – वृद्धि में गणित का नियम काम नही करता है।

विशेष :

1. नायिका के ललाट पर बिन्दी लगने से अगनित कान्ति फेलने लगती है। यह कवि का प्रोढोक्ति कथन है। शून्य का महत्व काव्यात्मक रूप से बताया गया है।

2. अनुप्रास, यमक एवं व्यतिरेक अलंकार प्रयुक्त है।

CEO BHINDER

प्रश्न निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये

सोहत औढे पीत पटु, स्याम सलौने गात।

मनौ नीलमनि सेल पर, आतप पर्‌यौ प्रभात।।

प्रसंगः यह दौहा 'बिहारी सतसई' से पाठ्यपुस्तक में संकलित दोहों से उद्धृत है इसमें कवि ने श्री कृष्ण की रूप छवि का अनोखा चित्रण किया है।

व्याख्याः कोई गोपी या नायिका श्री कृष्ण को देखकर अपनी सखी से कहती है कि श्याम ने अपने सुन्दर शरीर पर पीताम्बर धारण कर रखा है उसमें वे इस प्रकार सुशोभित हो रहे है कि मानों नीलमणि के पर्वत पर प्रभात काल के सूर्य का मन्द– मधुर प्रकाश फैल रहा है अर्थात् प्रातःकाल की कोमल किरणे पड रही है।

विशेष :

1. श्रीकृष्ण के सांवले शरीर को नीलमणि का पर्वत तथा पीताम्बर को प्रातः कालीन सूर्य की पीली धुप बताकर रूप शोभा की सुन्दर कल्पना की गई है।

2. अनुप्रास एवं उत्प्रेक्षा अलंकार प्रयुक्त है।

प्रश्न निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

तेरे ही भुजानि पर भूतल कौ भार,
कहिबे कौ शेषनाग दिगनाग हिमाचल है।
तरौ अवतार जग पोषण भरनहार,
कछु करतार कौ न ता मधि अमल है।
साहि तनै सरजा समथ्य सिवराज कवि
भूषण कहत जीवौ तेरो की सफल है।

CBSE BHINDER

तेरों करबाल करै म्लेच्छन कौ काल

बिन काज होत काल बदनाम धरातल है।

प्रसंगः प्रस्तुत अवतरण महाकवि भूषण द्वारा रचित शिवाजी के शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा से सम्बन्धित है। इसमें शिवाजी को धरती का भरण पोषण करने वाला तथा मुगलों के लिए काल बताया गया है।

व्याख्याः कवि भूषण कहते है कि हे सरजा शिवाजी! तुम्हारी ही भुजाओं पर समस्त पृथ्वी का भार टिका हुआ है, शेषनाग, दिड्नाग एवं हिमालय को पृथ्वी का भार उठाने वालों कहना तो कोरा कथन है। तुम्हारा जन्म ही संसार के पालन पोषण के निमित्त हुआ है। इस कार्य में विधाता का कोई श्रेय नही है। कवि भूषण कहते है कि शाहजी के पुत्र शिवाजी पूरी तरह समर्थ तथा शक्ति सम्पन्न है, और इस धरती पर इन्हीं का जीवन सफल माना जाता है। हे शिवाजी! आपकी यह तलवार मुगलों के प्राणों का हरण करने वाली अर्थात् यमराज जैसी है। इस धरती पर दुष्टों के प्राण लेने में काल को व्यर्थ ही बदनाम किया जाता है। यह काम तो आपकी तलवार सहजता से कर देती है।

विशेष :–

1. शिवाजी के शौर्य का वर्णन भिन्न प्रकार से किया गया है। उन्हें विद्याता से बढकर तथा उनकी तलवार को काल के समान बताकर कवि ने अपनी आस्था व्यक्त की है।
2. अनुप्रास, विनोक्ति अलंकार प्रयुक्त है। कवित्त छन्द की पद योजना उचित है।
3. इस कवित्त छंद में वीर रस का प्रयोग किया है।

CBEO BHINDER

विज्ञप्ति प्रारूप

प्रष्न : राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर की ओर से एक विज्ञप्ति प्रारूप तैयार कीजिए, जिसमें परीक्षाओं की तारीख परिवर्तित करने की सूचना दी गई हो।

उत्तर :

विज्ञप्ति

राजस्थान विश्वविद्यालय

जयपुर

क्रमांक – 229 दिनांक 12 मार्च 20

विष्वविद्यालय द्वारा आयोजित एम.ए, एम.कॉम. व एम.एस.सी. की लिखित परीक्षाऍं 15 मार्च से ली जाने वाली थी, किन्तु अपरिहार्य कारणों से अब 20 मार्च 2020 से आयोजित होंगी। परीक्षार्थी अपना प्रवेष–पत्र विश्वविद्यालय की बेवसाइट से डाउनलोड़ कर सकते हैं अथवा महाविद्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

(क,ख,ग)

(च,छ,ज)

परीक्षा नियन्त्रक

CBEO BHINDER

कार्यालय निदेशक, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान जयपुर की ओर से आवश्यक मशीन उपकरण सप्लाई हेतु एक निविदा सूचना लिखिए।

राजस्थान सरकार
कार्यालय निदेशक राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान जयपुर

क्रमांकः 472 दिनांक 14.01.2021

निविदा सूचना

राजस्थान के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों कम्प्यूटर एवं अन्य उपकरण सप्लाई करने हेतु पंजीकृत कंपनी से दिनांक 25.01.2021 तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 27.01.2021 को प्रातः 10.00 बजे उपस्थित निविदिाओं के समक्ष खोली जायेगी। विवरण इस प्रकार है।

क्र.स.	कार्य विवरण	अनुमानित लागत करोड	धरोहर राशि लाख रू.	अवधि
1	कम्प्यूटर मय प्रिन्टर सीपीयू व अन्य सामग्री	42.00	20.5	3 माह
2	फोटो स्कैनर मशीन	6.00	3.00	1 माह
3	लेपटॉप	1.00	0.50	1 माह

शर्ते :–

1. निविदा को निरस्त करने का संपूर्ण अधिकार अद्योहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा।
2. समस्त न्यायिक परिवादों का क्षेत्र जयपुर रहेगा।

हस्ताक्षर
निदेशक आयुक्त

CBEO BHINDER

1. अर्द्धशासकीय पत्र के शुरूआत व अन्त में किन शब्दों द्वारा सम्बोधन किया जाता है?

उ. अर्द्धशासकीय पत्र में महोदय के स्थान पर प्रिय श्री प्रिय सुश्री या माननीया श्रीमती लिखा जाता है और अन्त में 'भवदीय' के स्थान पर 'आपका' या 'भवदीया' लिखा जाता है।

2. निविदाएं कितने प्रकार की होती है

उ. निविदाएं दो प्रकार की होती है।

1. सीमित निविदा 2. खुली निविदा

CBEO BHINDER

निबंध

निबंध 1: **ऑनलाइन शिक्षा**

1. प्रस्तावना
2. ऑनलाइन शिक्षा के उद्देश्य
3. ऑनलाइन शिक्षा से लाभ व हानि
4. ऑनलाइन शिक्षा से बच्चों के जीवन पर पड़ता प्रभाव
5. छात्र, अभिभावक व शिक्षकों की भूमिका
6. उपसंहार

निबंध 2: **स्वच्छ भारत अभियान**

1. प्रस्तावना
2. स्वच्छता अभियान का उद्देश्य
3. स्वच्छता अभियान का व्यापक क्षेत्र
4. स्वच्छता अभियान से लाभ
5. स्वच्छता अभियान में जन भूमिका
6. उपसंहार

निबंध 3: **इंटरनेट सूचना क्रांति**

1. प्रस्तावना
2. इंटरनेट
3. इंटरनेट की रचना एवं कार्यविधि
4. उपयोग एवं दुरूपयोग
5. उपसंहार

CBEO BHINDER

निबंध 4: **कोरोना वायरस ओर भारतीय अर्थव्यवस्था**

1. प्रस्तावना
2. वैश्विक अर्थव्यवस्था पर कोरोना वायरस का प्रभाव
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना वायरस का प्रभाव
4. कृषि क्षेत्र पर कोरोना का प्रभाव
5. कोरोना महामारी के रोकथाम के उपाय
6. उपसंहार

निबंध 5: **नदी जल स्वच्छता अभियान**

1. प्रस्तावना
2. नदी जल प्रदूषण के कारण
3. नदी प्रदूषण के प्रभाव
4. नदी स्वच्छता अभियान
5. उपसंहार

CBEO BHINDER

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान,
अजमेर

मॉडल प्रश्न पत्र

कक्षा 12

केवल बोर्ड परीक्षा 2021 के लिए

Scanned with CamScanner

सामान्य दिशा–निर्देश

Model Question Paper 2021

General Instructions

1. मॉडल प्रश्न पत्र परीक्षा 2021 के लिए बोर्ड वेबसाईट पर अपलोड किये गये संशोधित पाठ्यक्रम के आधार पर तैयार किये गये है।

Model Question papers are uploaded on the Board website have been framed on the basis of the revised syllabus for Board Examination 2021.

2. कोविड–19 परिपेक्ष्य में लम्बे समय तक विद्यालय नहीं खुले और विधिवत शिक्षण बाधित हुआ है अतः मुख्य पाठ्यक्रम समिति द्वारा नवीन प्रश्नपत्र पेटर्न अनुमोदित किया गया है

Due to the COVID-19 conditions schools have not been opened for the students for a long time. Teaching process has been hampered, hence the syllabus committee has approved a new Question paper pattern.

3. सभी प्रश्न पत्र नवीन पेटर्न पर आधारित हैं। प्रश्न पत्रों में बहुविकल्पी, एक पंक्ति में उत्तर वाले, रिक्त स्थान पूर्ति, लघुउत्तरात्मक–I, लघुउत्तरात्मक–II निबधात्मक प्रश्नों का समावेश है।

All the Model Question papers are framed according to the new pattern. Multiple Choice Questions, one line answers, Fill in the blanks, Short Answer Type - I, Short Answer Type - II, Long Answer Type Questions are included in the Question Papers.

4. खण्ड स एवं द के प्रत्येक प्रश्न में एक–एक, तथा खण्ड य के प्रत्येक प्रश्न में 2–2 विकल्प दिये गये है।

Section C and D have one internal choice and Section E has two internal choices in each question.

5. पाठ्यक्रम में दिये गये इकाई वार अंक एवं अंक भार में 25% तक अंकभार में परिवर्तन बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्रों में सम्भव है।

A change/ variation up to 25% can be there in the unit-wise marking scheme/weightage of marks as given in the syllabus and in the main Board Examination Question papers.

***6.** लेखा शास्त्र, संगीत, चित्रकला एवं भाषा विषयों के दिये गये पेटर्न में आंशिक परिवर्तन विषय की प्रकृति एवं आवश्यकता के अनुरूप किया गया है।*

In the Model Question papers of Accountancy, Music, Drawing and language subjects partial changes have been made in the given pattern according to the nature and reqirement of the subject.

Scanned with CamScanner

उच्च माध्यमिक परीक्षा मॉडल प्रश्न–पत्र 2021
विषय–हिन्दी अनिवार्य

समयः 3¼ घण्टे **पूर्णांक 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :–
GENERAL INSTRUCTION TO THE EXAMINEES:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

6. प्रश्नों का अंकभार निम्नानुसार है।

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंक भार
खण्ड–अ(A)	1 (i से x) 2 से 11=20	1	20
खण्ड–ब(B)	12 से 19 = 8	2	16
खण्ड–स(C)	20 से 23 = 4	4	16
खण्ड–द(D)	24 से 25 = 2	5	10
खण्ड–य(E)	26 से 28 = 3	6	18

Scanned with CamScanner

खण्ड– अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गए बहुविकल्पी प्रश्नों में सही विकल्प का चयन कर उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में लिखें।

(i) निम्नलिखित में से किसकी लिपि 'देवनागरी' नहीं है –
(अ) नेपाली (ब) हिंदी (स) पंजाबी (द) संस्कृत 1

(ii) सीमित क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा के स्थानीय रूप को कहते हैं –
(अ) राजभाषा (ब) राष्ट्रभाषा (स) उपभाषा (द) संपर्कभाषा 1

(iii) निम्नलिखित में से किस अलंकार में समता दर्शायी जाती है –
(अ) यमक (ब) श्लेष (स) रूपक (द) उपमा 1

(iv) कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।
या खाये बोराय जग, वा पाये बोराय।।
इसमें अलंकार है –
(अ) यमक (ब) अनुप्रास (स) श्लेष (द) उपमा 1

(v) Thesis शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) शब्दकोश (ब) शोध प्रबन्ध (स) शोध कार्य (द) उपर्युक्त सभी 1

(vi) Vigilance शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) सतर्कता (ब) सुरक्षा (स) सावधानी (द) निगरानी 1

(vii) चूड़ामणि द्वारा स्वर्णथाल उपहार में प्रस्तुत करने पर ममता ने कहा –
(अ) 'विपदा के समय यह काम आएगा।' (ब) 'इतना सोना पाकर मैं धन्य हो गई।'
(स) 'तो क्या आपने म्लेच्छ का उत्कोच स्वीकार कर लिया।'
(द) 'इस स्वर्ण को रखने के लिए मेरे पास स्थान नहीं है।' 1

(viii) तुलसीदास की भक्ति मानी जाती है –
(अ) सखा भाव की (ब) दास्य भाव की
(स) माधुर्य भाव की (द) कान्ता भाव की 1

(ix) इंटरनेट पत्रकारिता आजकल लोकप्रिय है, क्योंकि –
(अ) इससे दृश्य एवं प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ मिलता है।
(ब) इससे खबरें बहुत तीव्र गति से पहुँचाई जाती है।
(स) इससे खबरों की पुष्टि तत्काल की जा सकती है। (द) उपर्युक्त सभी 1

Scanned with CamScanner

(x) समाचार के पहले पैराग्राफ यानी मुखड़े (इंट्रो) में चार ककारों की जानकारी दी जाती है –
(अ) किसको, किसने, किससे और क्यों।
(ब) क्या, कौन, कब और कहाँ।
(स) क्यों, कैसे, किसलिए और किससे
(द) कब, किससे, किसने और किस प्रकार **1**

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 2–5 निम्नलिखित अपठित गंद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 10 शब्द)

अंहकार, क्रोध या द्वेष हमारे मन की बाधक प्रवृतियाँ हैं। यदि हम इनको बेरोक–टोक चलने दें, तो निःसंदेह वह हमें नाश और पतन की ओर ले जाएगी, इसलिए हमें उनकी लगाम रोकनी पड़ती है, उन पर संयम रखना पड़ता है, जिससे वे अपनी सीमाओं से बाहर न जा सकें। हम उन पर जितना कठोर संयम रख सकते है, उतना ही मंगलमय हमारा जीवन हो जाता है।

किंतु नटखट लड़कों से डाँटकर कहना–'तुम बड़े बदमाश हो, हम तुम्हारे कान पकड़कर उखाड़ लेंगे'–अक्सर व्यर्थ ही होता है। बल्कि उस प्रवृत्ति को हठ की ओर ले जाकर पुष्ट कर देता है। जरूरत यह होती है कि बालक में जो सद्वृत्तियाँ हैं, उन्हें ऐसा उत्तेजित किया जाए कि दूषित वृत्तियाँ स्वाभाविक रूप से शांत हो जाए। इसी प्रकार मनुष्य को भी संयम के लिए आत्म विश्वास की आवश्यकता होती है। साहित्य मनोविकारों के रहस्य को खोलकर सद्वृत्तियों को जगाता है। सत्य के रसों द्वारा हम जितनी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं, ज्ञान और विवेक द्वारा नहीं कर सकते। उसी भाँति जैसे दुलार–पुचकार कर बच्चों को जितनी सफलता से वश में किया जा सकता है, डाँट–फटकार से संभव नहीं। साहित्य मस्तिष्क की वस्तु नहीं, हृदय की वस्तु है। जहाँ ज्ञान और उपदेश असफल होता है, वहाँ साहित्य बाजी मार ले जाता है।

प्रश्न –2. हमारे मन की बाधक प्रवृत्तियाँ कौन–सी है। **1**
प्रश्न –3. हमें हमारे मन की बाधक प्रवृत्तियों की लगाम क्यों रोकनी पड़ती है। **1**
प्रश्न –4. दूषित वृत्तियों को शांत करने का क्या उपाय है ? **1**
प्रश्न –5. साहित्य हृदय की वस्तु है, कैसे ? **1**

प्रश्न 6–8 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 10 शब्द)

धर कर चरण विजित श्रृंगों पर
झण्डा वही उड़ाते हैं,
अपनी ही उँगुली पर जो
खंजर की जंग छुड़ाते हैं।
पड़ी समय से होड़
खींच मत तलवों से काँटें रूककर,
फूँक–फूँक कर चलती न जवानी
काँटों से बचकर, झुककर।
नींद कहाँ उनकी आँखों में,
जो धुन के मतवाले हैं।
गति की तृष्णा और बढ़ती है,
पड़ते जब पग में छाले है।
जागरूक की जय निश्चित है,

Scanned with CamScanner

हार चुके सोने वाले।
लेना अनल किरीट भाल पर,
ओ! आशिक होने वाले।

प्रश्न–6. कवि ने जवानी की क्या विशेषता बताई है ? **1**

प्रश्न–7. कवि के अनुसार 'गति की तृष्णा' से क्या अभिप्राय है ? **1**

प्रश्न–8. 'गति की तृष्णा' कब बढ़ती है ? **1**

उपरोक्त अपठित पद्यांश को पढ़कर रिक्त स्थान में उपर्युक्त शब्द पूर्ति कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए :–

प्रश्न–9 जागरूक की जय ..... है, हार चुके सोने वाले। 1

प्रश्न–10. समाचार लेखन में ..... महत्वपूर्ण होता है। 1

प्रश्न–11. समाचार लेखन की ..... शैली में क्लाइमेक्स बिल्कुल आखिर में आता है। 1

खण्ड–ब

प्रश्न–12. जिला कलेक्टर उदयपुर की ओर से राजस्व सचिव राजस्थान सरकार को स्वच्छता अभियान हेतु बजट स्वीकृति जारी करने हेतु पत्र लिखिए। (उत्तर सीमा 50 शब्द) **2**

प्रश्न–13 'ठेले पर हिमालय' पाठ के आधार पर पर्वतीय क्षेत्रों के प्राकृतिक सौन्दर्य के बारे में लिखिए।
(उत्तर सीमा 30 शब्द) **2**

प्रश्न–14. 'यहाँ कौन दुर्ग है! यही झोपड़ी न; जो चाहे ले–ले।' प्रस्तुत वाक्य कब किसने–किससे कहा ?
(उत्तर सीमा 30 शब्द) **2**

प्रश्न–15. 'रहीम' ने सज्जन व्यक्ति को बार–बार मनाने के लिए क्यों कहा है ? (उत्तर सीमा 30 शब्द) **2**

प्रश्न–16. 'जगत के चतुर चितेरे को भी मूढ़ बनना पड़ा।' कवि बिहारी ने ऐसा क्यों कहा है ?
(उत्तर सीमा 30 शब्द) **2**

प्रश्न–17.''हट जा जीणे जोगिए, हट जा करमाँ वालिए, हट जा पुताँ प्यारिए, बच जा लम्बी उमराँ वालिए।''
प्रस्तुत शब्द कौन और क्यों कह रहा है ? (उत्तर सीमा 30 शब्द) **2**

प्रश्न–18. 'बलवान से भिड़न्त' पाठांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? (उत्तर सीमा 30 शब्द) **2**

प्रश्न–19. साक्षात्कार को परिभाषित करते हुए साक्षात्कार के प्रकार लिखिए।
(उत्तर सीमा 30 शब्द) **2**

Scanned with CamScanner

खण्ड–स

प्रश्न–20. रिपोर्ताज एवं यात्रा–वृत्तांत के अन्तर को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) 4

अथवा

रिपोर्ट और रिपोर्ताज के अन्तर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–21. डायरी–लेखन को स्पष्ट करते हुए इसके महत्व को समझाइए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) 4

अथवा

खेल पत्रकारिता पर एक टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न–22. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए– 4

(अ) विद्यार्थियों का राष्ट्रनिर्माण में योगदान
(ब) राजस्थान में लोकदेवताओं का महत्व
(स) नारी सशक्तिकरण
(द) मेरी प्रिय पुस्तक

प्रश्न–23. जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) 4

अथवा

कवि भूषण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न–24. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:(उत्तर सीमा 80 शब्द) 5

किसी आती हुई आपदा की भावना या दुःख के कारण के साक्षात्कार से जो एक प्रकार का आवेगपूर्ण अथवा स्तम्भ कारक मनोविकार होता है उसी को भय कहते हैं। क्रोध दुःख के कारण पर प्रभाव डालने के लिए आकुल करता है और भय उसकी पहुँच से बाहर होने के लिए। क्रोध दुःख के कारण के स्वरूप–बोध के बिना नहीं होता। यदि दुःख का कारण चेतन होगा और यह समझा जाएगा कि उसने जान–बूझकर दुःख पहुँचाया है, तभी क्रोध होगा।

अथवा

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है।

प्रश्न–25. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:(उत्तर सीमा 80 शब्द) 5

बिनु गोपाल बैरिन भई कुंजै।
तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई विषय ज्वाल की पुंजैं।।

Scanned with CamScanner

बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल फूलैं अलि गुंजैं।
पवन, पानी, धनसार, संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजैं।।
ए ऊधो, कहियो माधव सों बिरह कदन करि मारत लुंजैं।
'सूरदास' प्रभु को मग जोवत अँखियाँ भई बरन ज्यों गुंजैं।।

अथवा

जाति न पूछो साधू की पूछि लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।
संगत कीजै साधु की कभी न निष्फल होय।
लोहा पारस परस ते, सो भी कंचन होय।।

खण्ड–य

प्रश्न–26. 'तौलिये' एकांकी के माध्यम से लेखक ने किस आडम्बर व खोखलेपन को अभिव्यक्त किया है?
(उत्तर सीमा 80 शब्द) 6

अथवा

''बाजार से हठपूर्वक विमुखता उनमें नहीं।'' वाक्यांश किसके लिए क्यों कहा गया है? विस्तार से विवेचना कीजिए।

अथवा

भय के साध्य और असाध्य दोनों रूपों को सोदाहरण समझाइए।

प्रश्न–27. बिहारी के पठित दोहों के आधार पर उनकी नीति व भक्ति को समझाइए।
(उत्तर सीमा 80 शब्द) 6

अथवा

शमशेर बहादुर सिंह की 'उषा' कविता का प्राकृतिक वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

अथवा

पठित अंश के आधार पर सिद्ध कीजिए कि भूषण वीर रस के कवि थे।

प्रश्न–28. देवनारायणजी एवं महाराजा सूरजमल के सामाजिक एवं धार्मिक महत्व को लिखिए।
(उत्तर सीमा 80 शब्द) 6

अथवा

महादेवी वर्मा द्वारा रचित 'गौरा' रेखाचित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

Scanned with CamScanner

'खादी का जन्म' पाठांश का सार अपने शब्दों में लिखकर प्रस्तुत कीजिए।

Scanned with CamScanner